PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■अलीगढ, सोमवार 17 अगस्त 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

दिल्ली में दर्दनाक हादसा : ई-रिक्शा की बैटरी फटी, इमारत की पहली मंजिल में लगी आग, हादसे में दो लोग की मौत

जांच में पता चला कि जिस इमारत में आग लगी वह चार मंजिला है। इमारत की पहली मंजिल पर ई-रिक्शा की बैटरी फटने के बाद घरेलू सामान में आग लगी थी। रघुबीर नगर इलाके में सोमवार सुबह एक इमारत की पहली मंजिल पर ई-रिक्शा की बैटरी फटने से आग लग गई। हादसे में दो लोग झुलस गए। दोनों को उपचार के लिए रघुबीर नगर स्थित गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इनकी पहचान 17 साल के सुफैद और 38 साल के मोहम्मद सामिद के रूप में हुई है। दमकल विभाग के मुताबिक सोमवार तड़के करीब 4.42 बजे दमकल विभाग को रघुवीर नगर के आर ब्लॉक में स्थित एक मकान में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि जिस इमारत में आग लगी वह चार मंजिला है। इमारत की पहली मंजिल पर ई-रिक्शा की बैटरी फटने के बाद घरेलू सामान में आग लगी थी। आग की चपेट में आने से दो लोग झुलस गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। दमकल कर्मियों ने 5.25 बजे आग पर काबू पा लिया। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

Nag Panchami 2026: शुभ संयोग में नाग पंचमी आज, इन संदेशों से दें सभी को शुभकामनाएं

Nag Panchami 2026: आज नाग पंचमी का पावन पर्व मनाया जा रहा है। इस खास अवसर पर आप इन प्यार भरे संदेशों के जरिए अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और प्रियजनों को नाग पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं दे सकते हैं। Nag Panchami 2026: आज, 17 अगस्त 2026 को नाग पंचमी का पावन पर्व मनाया जा रहा है। खास बात यह है कि, इस बार नाग पंचमी के दिन ही सावन के तीसरे सोमवार का भी शुभ संयोग बना हुआ है। शास्त्रों के अनुसार, नाग देवता भगवान शिव के आभूषण माने जाते हैं। इसलिए इस विशेष तिथि पर देशभर के शिव मंदिरों में भगवान शिव और नाग देवता की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं, कई जगहों पर महिलाएं घर के मुख्य द्वार पर नाग की आकृति बनाकर उनकी पूजा करती हैं। मान्यता है कि, ऐसा करने से जीवन और घर-परिवार के दोष दूर होते हैं तथा सुख-समृद्धि और खुशहाली का वास होता है। इस पावन अवसर पर लोग एक-दूसरे को नाग पंचमी की शुभकामनाएं भी देते हैं। ऐसे में आप भी इन प्यार भरे संदेशों के जरिए अपने प्रियजनों को नाग पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं दे सकते हैं।

Badal Babu: पाकिस्तान में फंसे बादल की रिहाई को लंदन की पूनम आईं आगे, वतन वापसी का बताया रास्ता, कर रही मदद

फेसबुक की दोस्ती, सरहद पार पहुंचा बादल

परिजनों के मुताबिक, बादल दिल्ली में सिलाई का काम करता था। इसी दौरान फेसबुक पर उसकी दोस्ती पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की रहने वाली सना रानी से हुई। बातचीत बढ़ी तो दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए। इसके बाद बादल बिना वैध वीजा और पासपोर्ट के 2024 में दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में पाकिस्तान पहुंच गया, जहां पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूनम ने बताया वापसी का रास्ता

बादल के पिता के अनुसार, करीब एक माह पहले लंदन निवासी पूनम ने फोन कर कहा कि वह उनकी मदद कर रही है। उसने पाकिस्तान में बादल के वकील से संपर्क होने की बात बताई और दिल्ली स्थित पाकिस्तान दूतावास के माध्यम से पाकिस्तान सरकार को पत्र भेजने की सलाह दी। पूनम की ओर से कानूनी पैरवी में मदद और खर्च उठाए जाने की बात ने परिवार को नई उम्मीद दी है। अब परिवार चाहता है कि यह मदद रंग लाए और बादल जल्द अपने घर लौट सके।

बादल के परिजनों के अनुसार लंदन की पूनम पाकिस्तान में बादल की पैरवी कर रहे वकील के संपर्क में है और कानूनी प्रक्रिया में आर्थिक मदद भी कर रही है। हालांकि, पिछले करीब 20 दिनों से परिवार की पूनम से बातचीत नहीं हो पाई है। पाकिस्तान की जेल में सजा पूरी करने के बाद भी वतन वापसी का इंतजार कर रहे अलीगढ़ में नगला खिटकारी निवासी बादल बाबू के परिवार को अब लंदन की रहने वाली पूनम से मदद की उम्मीद जगी है। करीब एक माह पहले पूनम ने फोन पर बादल के परिजनों से संपर्क किया और उसकी रिहाई का रास्ता बताते हुए मदद का भरोसा दिया। परिवार के मुताबिक, पूनम पाकिस्तान में बादल की पैरवी कर रहे वकील के संपर्क में है और कानूनी प्रक्रिया में आर्थिक मदद भी कर रही है। हालांकि, पिछले करीब 20 दिनों से परिवार की पूनम से बातचीत नहीं हो पाई है। बादल के पिता कृपाल सिंह और मां गायत्री देवी सोमवार को अलीगढ़ डीएम से मिलकर बेटे की वतन वापसी की गुहार लगाएंगे। पिता का कहना है कि बेटे की सजा पूरी हो चुकी है, लेकिन उसे भारत लाने के लिए वह लगातार अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूनम ने उन्हें दिल्ली स्थित पाकिस्तान दूतावास से पाकिस्तान सरकार को पत्र भेजने की सलाह दी थी, लेकिन वहां उन्हें प्रवेश नहीं मिल सका। अब परिवार ने हाथरस सांसद अनूप प्रधान से भी मदद मांगी है। परिजनों के अनुसार, बादल ने फोन पर अपनी तबीयत खराब होने की जानकारी दी है। उसने किडनी में गंभीर संक्रमण और आंतों में सूजन की बात बताई है। बेटे की बिगड़ती हालत से चिंतित माता-पिता ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और भारत सरकार से मानवीय आधार पर उसे जल्द भारत वापस लाने की अपील की है।

Air India: फुकेट-दिल्ली उड़ान के चार सेकंड ने बढ़ाई चिंता, 90 दिन का रिकॉर्ड क्यों खंगाल रहीं जांच एजेंसियां?

फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई 2379 के चार सेकंड तक अनियंत्रित होने के मामले में जांच का दायरा बढ़ गया है। जांच एजेंसियां विमान के पिछले 90 दिनों के रिकॉर्ड, तकनीकी लॉग बुक और हाइड्रोलिक सिस्टम की स्थिति खंगाल रही हैं। साथ ही पायलट के नशे में होने की बात भी जांच के घेरे में है। फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई 2379 के चार सेकंड तक अनियंत्रित होने के मामले में जांच का दायरा बढ़ गया है। जांच एजेंसियां विमान के पिछले 90 दिनों के रिकॉर्ड, तकनीकी लॉग बुक और हाइड्रोलिक सिस्टम की स्थिति खंगाल रही हैं। साथ ही पायलट के नशे में होने की बात भी जांच के घेरे में है।

आखिर विमान में गड़बड़ी की असली वजह क्या थी?

क्या चार सेकंड तक अनियंत्रित हुआ था विमान?

फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई 2379 के चार सेकंड तक अनियंत्रित होने के मामले ने विमान की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना की जांच अब आगे बढ़ रही है और एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने विमान के पिछले 90 दिनों का रिकॉर्ड खंगालना शुरू कर दिया है। जांच का मकसद यह पता लगाना है कि घटना से पहले विमान में किसी तरह की तकनीकी परेशानी तो नहीं थी।

जांच एजेंसियां 90 दिन के रिकॉर्ड में क्या तलाश रही हैं?

जांच के दौरान यह देखा जा रहा है कि पिछले 90 दिनों में विमान से जुड़ी कोई तकनीकी खराबी या शिकायत दर्ज हुई थी या नहीं। इसके साथ ही विमान की तकनीकी लॉग बुक की भी जांच की जा रही है। इस लॉग बुक में हर उड़ान से पहले और बाद में सामने आने वाली खराबियों और विमान के रखरखाव से जुड़ी जानकारी दर्ज होती है। जांच टीम यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि विमान के तीनों हाइड्रोलिक प्रेशर सिस्टम में पहले कोई खराबी सामने आई थी या नहीं।

पायलट के नशे में होने की बात क्यों जांच के घेरे में है?

जांच में पायलट के नशे में होने की बात को भी गंभीरता से देखा जा रहा है। सवाल यह है कि अगर पायलट नशे में था, तो उड़ान से पहले हुई जांच में इसका पता क्यों नहीं चला और रिपोर्ट में इसका उल्लेख क्यों नहीं किया गया। इसी वजह से टेक ऑफ से पहले की जांच प्रक्रिया और उससे जुड़े रिकॉर्ड भी जांच का हिस्सा बन सकते हैं। मामले में तकनीकी और मानवीय दोनों पहलुओं को जोड़कर देखा जा रहा है।

एअर इंडिया के सामने क्यों बढ़े सवाल?

विमानन विशेषज्ञ रतन अंभोरे के मुताबिक, इस मामले में एअर इंडिया पर सवाल उठ रहे हैं। उनके अनुसार कंपनी की ओर से पहले विमान के हिलने की वजह टर्बुलेंस बताई गई थी। इसके बाद पायलट के नशे में होने की बात सामने आई और अब विमान निर्माता एयरबस की रिपोर्ट में हाइड्रोलिक सिस्टम फेल होने का दावा किया गया है। अलग-अलग वजहों के सामने आने से घटना की वास्तविक वजह को लेकर सवाल और गंभीर हो गए हैं। जांच एजेंसियां अब विमान के 90 दिनों के रिकॉर्ड, तकनीकी लॉग बुक, हाइड्रोलिक सिस्टम और पायलट से जुड़े पहलुओं को मिलाकर घटना की कड़ी जोड़ने की कोशिश कर रही हैं। मुख्य सवाल यह है कि विमान के चार सेकंड तक अनियंत्रित होने के पीछे तकनीकी खराबी थी, पायलट से जुड़ा कोई मामला था या दोनों परिस्थितियों का कोई संबंध था। जांच के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

Aligarh News: रात डेढ़ बजे पार्किंग शुल्क मांगने पर सिनेमा हॉल के कर्मी पर चढ़ा दिया स्कूटर

उदय सिंह जैन रोड स्थित डीडी सिनेमा हॉल में शुक्रवार देर रात डेढ़ बजे पार्किंग शुल्क मांगने पर ख्वाजा चौक के चार युवकों ने हंगामा कर दिया। गालीग-लौज के बाद पार्किंग कर्मी के पैर में स्कूटर चढ़ा दिया। पार्किंग संचालक की ओर से इस मामले में चार अज्ञात लोगों के खिलाफ देहलीगेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सिनेमा हॉल के मैनेजर ने बताया कि शुक्रवार रात 10.45 बजे फिल्म आवारापन टू का शो चल रहा था, जो रात डेढ़ बजे के करीब छूटा। शो देखकर निकले ख्वाजा चौक के चार युवाओं ने पार्किंग से अपना स्कूटर और बाइक निकाली और चलने लगे। पार्किंग कर्मी रमन ने उनसे दोनों वाहनों के पार्किंग शुल्क के रूप में 60 रुपये मांगे। एक वाहन का शुल्क 30 रुपये तय है। शुल्क मांगने पर चारों युवा भड़क गए। कहने लगे कि उन्होंने रुपये दे दिए हैं और इसके साथ ही गाली-गलौज कर वहां से जाने लगे। इस पर कर्मियों ने रोका तो वह झगड़ा करने लगे। कर्मियों ने गेट बंद कर उन्हें रोकना चाहा तो रमन के पैर में स्कूटर चढ़ा दिया। इसके बाद वह भाग गए। रमन की ओर से देहलीगेट थाने में चार अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। दूसरे पक्ष ने भी तहरीर दी है। सीओ प्रथम संजीव कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

Aligarh: कार-सोने की जंजीर व अंगूठी की मांग पूरी न होने पर विवाहिता से मारपीट, छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शादी के एक माह बाद कार, सोने की जंजीर और अंगूठी की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित किया जाने लगा। ससुरालियों ने उसके साथ मारपीट की और बचाने आई बहन को कमरे में बंद कर दिया। पीड़िता किसी तरह बहन को लेकर चौकी पहुंची। अतरौली के मोहल्ला सरायवली निवासी अंजली ने पति रितिक करोतिया समेत ससुराल पक्ष के छह लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि शादी के एक माह बाद कार, सोने की जंजीर और अंगूठी की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। 25 जून को ससुरालियों ने उसके साथ मारपीट की और बचाने आई बहन को कमरे में बंद कर दिया। पीड़िता किसी तरह बहन को लेकर खुर्जा जंक्शन चौकी पहुंची, जहां से दोनों को मायके भेज दिया गया। मामले की शिकायत महिला आयोग में भी की गई है। कोतवाल राजीव कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

Weather: जम्मू-कश्मीर से तमिलनाडु तक बारिश से चिंता, असम-ओडिशा में बाढ़ से हाहाकार; IMD के अनुमान में क्या?

देश के कई हिस्सों में बारिश ने चिंता बढ़ा दी है। जम्मू-कश्मीर के डोडा में बाढ़ जैसे हालात हैं, ओडिशा के मयूरभंज में नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है और सिक्किम में भूस्खलन प्रभावित परिवारों को हटाया गया है। तमिलनाडु में भारी बारिश और तेज हवाओं का अनुमान है, जबकि दिल्ली में 22 अगस्त तक बादल और हल्की बारिश के आसार हैं। क्या आने वाले दिनों में मौसम और बिगड़ेगा? देश के बाकी हिस्सों में मौसम का क्या हाल है। देश के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी है और इसके कारण कहीं बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं तो कहीं भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के डोडा में भारी बारिश के बाद नदियों और नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। ओडिशा के मयूरभंज में भी लगातार बारिश और बढ़ते नदी जलस्तर ने निचले इलाकों के लिए खतरा बढ़ा दिया है। सिक्किम में हालिया भूस्खलन के बाद प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर भेजने का निर्देश दिया गया है। दक्षिण में तमिलनाडु के कई जिलों में भारी बारिश, आंधी और तेज हवाओं का अनुमान है। वहीं दिल्ली में भी अगले छह दिनों तक मौसम बदला रहने की संभावना है।

डोडा में बारिश के बाद कैसे बने बाढ़ जैसे हालात?

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भलेसा गंडोह इलाके में ताजा भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। बारिश के कारण बाजारों, सड़कों, नालों और नदियों में पानी का स्तर तेजी से बढ़ा है। चिनाब नदी भी ऊंचे जलस्तर पर बह रही है। ऐसे हालात में निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। तेज बहाव वाले पानी में वाहन चलाना या नालों और नदियों के करीब जाना जोखिम भरा हो सकता है। लगातार बारिश के बीच स्थानीय स्तर पर जलस्तर पर नजर रखना जरूरी हो गया है।

ओडिशा में बाढ़ का खतरा क्यों बढ़ रहा है?

ओडिशा के मयूरभंज जिले में लगातार भारी बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण बाढ़ का खतरा गंभीर बना हुआ है। निचले इलाकों में पानी बढ़ने से लोगों की परेशानी बढ़ सकती है।

Aligarh News : कांवड़ यात्रा : आज भारी वाहनों को प्रवेश नहीं

सावन के तीसरे सोमवार को मंदिरों में उमड़ने वाली भीड़ और कांवड़ यात्रा को देखते हुए यातायात पुलिस ने शहर में ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया है। प्रमुख मार्गों पर भारी व कॉमर्शियल वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं के वाहन इससे मुक्त रहेंगे।पुलिस के अनुसार दिल्ली व खुर्जा की ओर से आने वाले भारी वाहनों को गभाना टोल से डायवर्ट कर दौरऊ मोड़, खैर होते हुए यमुना एक्सप्रेसवे भेजा जाएगा। एटा व कानपुर की ओर से आने वाले वाहनों को सिकंदराराऊ, हाथरस और इगलास के रास्ते निकाला जाएगा। सारसौल चौराहे से नादा पुल और खैरेश्वर की ओर भारी वाहनों के साथ चार पहिया वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। रोडवेज व निजी बसों के रूट भी बदले गए हैं। एसपी ट्रैफिक प्रवीण कुमार ने अपील की है कि वाहन चालक निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही प्रयोग करें।

यूपी में IPS अफसर की मां का कत्ल:

मुंह से खून, हाथ में इंजेक्शन के निशान, गहने गायब; लूट के बाद हत्या की कहानी

यूपी के अंबेडकरनगर में एसपी की मां की लूट के बाद हत्या का मामला सामने आया है। आईपीएस अफसर की मां इंद्रावती गांव में अकेली रह रहीं थीं। घर में उनका शव मिला है। शरीर पर चोट के निशान मिले हैं उत्तर प्रदेश पुलिस में पुलिस अधीक्षक हेडक्वार्टर के पद पर तैनात आशुतोष मिश्रा की मां इंद्रावती (91) से लूट के बाद उनकी हत्या कर दी गई। रविवार सुबह अंबेडकरनगर के मालीपुर के रूढ़ा धमरूआ गांव स्थित उनके घर पर उनका शव मिला। उनके मुंह से खून बह रहा था, शरीर से सोने के जेवर भी गायब थे। डीआईजी सोमेन वर्मा, एसपी प्राची सिंह समेत तमाम अधिकारियों ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान मुंह में कपड़ा ठूंसे जाने की भी बात सामने आई है। पुलिस नेअज्ञात के खिलाफ लूट और हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है।

डीआईजी सोमेन वर्मा, एसपी प्राची सिंह समेत तमाम अधिकारियों ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान मुंह में कपड़ा ठूंसे जाने की भी बात सामने आई है। पुलिस नेअज्ञात के खिलाफ लूट और हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है।मालीपुर के रूढ़ा धमरूआ निवासी आशुतोष मिश्र की मां इंद्रवती (91) पिछले करीब दो सप्ताह से गांव स्थित पैतृक घर पर अकेली रह रही थीं। शनिवार दोपहर को एसपी आशुतोष मिश्रा भी अपनी मां से मिलने आए थे लेकिन ड्यूटी के चलते वह कुछ ही देर में वापस लखनऊ लौट गए थे।

एसपी को चाचा ने दी मां की मौत की सूचना

रविवार सुबह करीब 10 बजे आशुतोष मिश्रा को उनके चाचा सचिंद्र मिश्रा ने फोन कर सूचना दी कि उनकी मां इंद्रावती को हार्ट अटैक आया है और उनकी मौत हो गई है। सूचना मिलते ही वे लखनऊ से घर पहुंचे। घर पहुंचने पर एसपी आशुतोष मिश्रा ने अपनी मां के शव का निरीक्षण किया।

शरीर से गहने भी थे गायब

उन्होंने देखा कि उनके मुंह से खून निकल रहा था। इसके साथ ही, मां के गले से सोने की चेन गायब थी। सोने के दानों वाली तुलसी की माला भी शव पर नहीं मिली। नाक की कील और कान के टप्स भी गायब पाए गए। पैरों में पहनी जाने वाली पायल भी शव पर नहीं थी। तथ्यों के आधार पर आशुतोष मिश्रा ने लूट और हत्या की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।

दिल्ली में दर्दनाक हादसा :

इमारत की पहली मंजिल में लगी आग, हादसे में दो लोगों की मौत

जांच में पता चला कि जिस इमारत में आग लगी वह चार मंजिला है। इमारत की पहली मंजिल पर ई-रिक्शा की बैटरी फटने के बाद घरेलू सामान में आग लगी थी।रघुबीर नगर इलाके में सोमवार सुबह एक इमारत की पहली मंजिल पर ई-रिक्शा की बैटरी फटने से आग लग गई। हादसे में दो लोग झुलस गए। दोनों को उपचार के लिए रघुबीर नगर स्थित गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इनकी पहचान 17 साल के सुफैद और 38 साल के मोहम्मद सामिद के रूप में हुई है।

दमकल विभाग के मुताबिक सोमवार तड़के करीब 4.42 बजे दमकल विभाग को रघुवीर नगर के आर ब्लॉक में स्थित एक मकान में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची।जांच में पता चला कि जिस इमारत में आग लगी वह चार मंजिला है। इमारत की पहली मंजिल पर ई-रिक्शा की बैटरी फटने के बाद घरेलू सामान में आग लगी थी। आग की चपेट में आने से दो लोग झुलस गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। दमकल कर्मियों ने 5.25 बजे आग पर काबू पा लिया। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

पश्चिम बंगाल: बीरभूम में होटल में लगी भीषण आग,

सात लोगों की मौत; कैसे हुआ हादसा?

पश्चिम बंगाल के बीरभूम में एक होटल में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। घटना बीरभूम जिले के तारापीठ के होटल में हुई। यह हादसा कैसे हुआ, आग से बचकर निकलने वाले लोगों ने क्या कहा, पढ़िए रिपोर्ट-सावन के सोमवार के दिन बिहार के लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में भगदड़ जैसी स्थिति के बाद बंगाल से भी हादसे की दर्दनाक खबर सामने आई है। बीरभूम के तारापीठ में एक होटल में लगी भीषण आग लग गई। जिसके कारण सात लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के झुलसने की भी खबर है। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार, आग सुबह करीब 5 बजे तारापीठ के मंदिर वाले इलाके में स्थित चार मंजिला होटल की पहली मंजिल पर लगी। उस समय होटल में ज्यादातर लोग सो रहे थे। आग की जानकारी मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया।

घायलों को रामपुरहाट सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के सूत्रों ने शुरुआत में बताया था कि आग में पांच लोगों की मौत हुई है। हालांकि, बाद में पुलिस ने मृतकों की संख्या बढ़ाकर सात कर दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अब मृतकों की संख्या सात हो गई है।

होटल में आग कैसे लगी?

होटल के अधिकारियों का दावा है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। कोलकाता की रहने वाली एक महिला आग से बचकर बाहर निकलने में सफल रही। उसने होटल के अंदर मची अफरा-तफरी को याद करते हुए बताया कि अचानक पूरे होटल में धुआं भर गया। सांस लेना मुश्किल हो गया और बाहर निकलने का रास्ता ढूंढना भी काफी कठिन था।अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में कुछ श्रद्धालु भी थे, जो प्रसिद्ध काली मंदिर में पूजा करने के लिए तारापीठ आए थे।

Census 2027: लद्दाख और जम्मू-कश्मीर समेत इन राज्यों में आज से ऑनलाइन स्व-गणना शुरू, पूछे जाएंगे ये 40 सवाल

Census 2027: जनगणना 2027 के तहत आज से लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फीले इलाकों में स्व-गणना शुरू हो रही है। लोग 31 अगस्त तक ऑनलाइन अपनी जानकारी दे सकेंगे, इसके बाद कर्मचारी घर-घर जाकर जानकारी जुटाएंगे। इस बार पहली बार जाति समेत 40 सवाल पूछे जाएंगे, तो आखिर इस स्व-गणना की प्रक्रिया कैसे होगी?जनगणना 2027 के लिए ऑनलाइन स्व-गणना की प्रक्रिया आज से शुरू होगी। इसकी शुरुआत लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के उन इलाकों से होगी, जहां सर्दियों में भारी बर्फबारी होती है। इन जगहों पर लोग खुद अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इनमें दूर-दराज के गांव और ऊंचे पहाड़ी इलाके भी शामिल हैं।17 से 31 अगस्त तक इन इलाकों के लोग ऑनलाइन अपनी जानकारी भर सकेंगे। इसके बाद 1 सितंबर से 30 सितंबर तक जनगणना कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों की जानकारी दर्ज करेंगे। इस बार कर्मचारियों को 40 सवाल पूछने होंगे। इनमें पहली बार जाति से जुड़ा सवाल भी होगा। माता-पिता की जानकारी और पहचान से जुड़े दस्तावेजों के बारे में भी पूछा जाएगा।

देश के बाकी हिस्सों में लोगों की गिनती अगले साल फरवरी में होगी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के जनगणना संचालन के मुख्य अधिकारी और निदेशक अमित शर्मा ने बताया कि इस बार जानकारी कागज पर कम और डिजिटल तरीके से ज्यादा दर्ज की जाएगी। बर्फबारी वाले इलाकों में मोबाइल एप की मदद ली जाएगी। लद्दाख के सात जिलों में करीब 2 लाख 74 हजार लोगों की जानकारी जुटाई जाएगी। जम्मू-कश्मीर के 16 जिलों में करीब 88 लाख 10 हजार लोगों की गिनती होगी। इनमें डोडा, पुंछ और कुपवाड़ा जैसे जिले भी शामिल हैं।

पहाड़ों और खराब रास्तों के बीच होगी जनगणना

इन इलाकों में जनगणना करना आसान नहीं है। कई गांव ऐसे हैं जहां सड़क नहीं है या पहुंचना बहुत मुश्किल है। लद्दाख के जंस्कार के कई गांवों में सड़क की सुविधा बहुत कम है। लेह का यिंगचेन गांव भी बहुत दूर है। यहां सिर्फ दो परिवारों के 11 लोग रहते हैं। पास के गांव तक पहुंचने में पैदल करीब 7 घंटे लगते हैं। इसी तरह चांगथांग का हानले गांव करीब 15 हजार फीट की ऊंचाई पर है।अमित शर्मा ने बताया कि कुछ बहुत ऊंचाई वाले इलाकों में कम घर हैं। फिर भी वहां जनगणना कर्मचारी भेजे जाएंगे। सेना और आईटीबीपी के जवान जहां रहते हैं, वहां भी खास इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी दूरदराज गांव में सिर्फ एक परिवार भी रहता है, तो कर्मचारी वहां भी पहुंचेंगे और उसकी जानकारी दर्ज करेंगे।

UP: 'हैसियत में रहो, दिमाग खराब हो गया है.

गाड़ी रोकी तो सिकंदराराऊ सीओ पर भड़क गए भाजपा विधायक

मथुरा के वृंदावन में हरियाली तीज पर गाड़ी रोकने पर अलीगढ़ की कोल सीट से भाजपा विधायक सीओ से भिड़ गए। दोनों की नोंकझोक का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में भाजपा विधायक कह रहे हैं कि तानाशाही मत करो, वर्दी का सम्मान करो। हैसियत में रहो।मथुरा के वृंदावन में हरियाली तीज पर अलीगढ़ की कोल विधासभा से भाजपा विधायक अनिल पाराशर और हाथरस के सीओ सिकंदराराऊ अमित पाठक के बीच तीखी नोकझोंक हुई। शनिवार शाम को यातायात व्यवस्था के दौरान अटल्ला चुंगी से पहले गाड़ी रोके जाने से नाराज विधायक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में वो कह रहे हैं कि दिमाग खराब हो गया है, हैसियत में रहो। हालांकि विधायक ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर पुलिस पर अभद्रता का आरोप लगाया है।हरियाली तीज पर वृंदावन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। पुलिस ने यातायात नियंत्रित के लिए कई स्थानों पर बैरियर लगाए थे। अन्य जिलों से भी पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। इसी के तहत हाथरस के सीओ अमित पाठक की ड्यूटी वृंदावन में लगी थी।अटल्ला चुंगी से पहले विधायक अनिल पाराशर की गाड़ी को एक बैरियर पर रोक दिया गया। विधायक के सुरक्षाकर्मियों ने पुलिस को बताया कि गाड़ी में विधायक स्वयं बैठे हैं। इसके बाद भी गाड़ी को रोकने पर विधायक भड़क गए। वह गाड़ी से उतरकर सीओ के पास पहुंच गए। थोड़ी ही देर में दोनों में नोकझोंक होने लगी। वायरल वीडियो में विधायक सीओ से कथित रूप से अभद्रता करते हुए तानाशाही करने का आरोप लगाते हुए नजर आ रहे हैं। विधायक अनिल पाराशर ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपना पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि वह अटल्ला चुंगी स्थित बालाजी आश्रम अपने परिचित के पास जा रहे थे। विधायक का आरोप है कि सीओ ने उनके स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार किया।

लखनऊ: जेन जी के बाद अब जेन अल्फा की आवाज, शिक्षक न होने के विरोध में सड़क पर उतरीं छात्राएं; मनाने पर लौटीं

स्कूल की इन छात्राओं का आरोप है कि विद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी है, जिससे उनकी पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है।लखनऊ के पारा स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय की छात्राओं ने सोमवार सुबह विद्यालय की अव्यवस्थाओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। मूसलाधार बारिश की परवाह किए बिना 'जेन अल्फा' की ये छात्राएं करीब ढाई किलोमीटर पैदल चलकर दुबग्गा-कानपुर बाईपास चौराहे पर पहुंचीं और सड़क पर धरने पर बैठ गईं।

शिक्षकों की कमी और खराब खाना बनी प्रदर्शन की वजह

छात्राओं का आरोप है कि विद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी है, जिससे उनकी पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है। इसके अलावा, भोजन की निम्न गुणवत्ता और बीमारी की हालत में सही इलाज न मिलना जैसी गंभीर समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। छात्राओं का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

जिलाधिकारी को बुलाने की मांग पर अड़ीं छात्राएं

सड़क पर छात्राओं के बैठते ही भारी पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया।

छात्राएं मौके पर जिलाधिकारी को बुलाने और अपनी मांगों के तत्काल समाधान पर अड़ी हैं। पुलिस प्रशासन और संबंधित अधिकारी फिलहाल छात्राओं को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में जुटे हैं।

पुलिस ने रोका तो सीएम आवास की तरफ बढ़ी छात्राएं

जाम को बढ़ता देख पुलिस ने बलपूर्वक छात्राओं को सड़क से हटाने की कोशिश की। इससे नाराज छात्राओं ने सीएम आवास की तरफ कूच कर दिया। मौके पर पुलिस का कोई बड़ा अधिकारी मौजूद नहीं था।

डीएम के न पहुंचने से नाराज छात्राएं मुख्यमंत्री आवास के लिए पैदल निकलीं

दुबग्गा के कानपुर बाईपास पर सोमवार सुबह जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय की कक्षा छह से 12वीं तक की छात्राएं अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठीं। छात्राओं ने विद्यालय की व्यवस्थाओं में सुधार और अपनी समस्याओं के समाधान की मांग की। मौके पर जिलाधिकारी समेत उच्च अधिकारियों को बुलाने की मांग को लेकर छात्राएं अड़ी रहीं।ढाई घंटे बाद भी जिलाधिकारी के मौके पर न पहुंचने से नाराज छात्राएं मुख्यमंत्री आवास के लिए पैदल ही निकल पड़ीं। छात्राओं के आगे बढ़ने पर ठाकुरगंज, काकोरी, दुबग्गा और पारा थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें समझाने का प्रयास किया। पुलिस और विद्यालय के शिक्षक छात्राओं को रोकने और समझाने में जुटे रहे।छात्राओं का कहना है कि विद्यालय में लंबे समय से कई समस्याएं हैं। शिक्षकों की कमी के कारण पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसके अलावा भोजन और छात्राओं के बीमार पड़ने पर इलाज की व्यवस्था समेत अन्य समस्याओं को लेकर भी छात्राएं नाराज हैं। उनका आरोप है कि बार-बार शिकायत के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया गया।बारिश के बावजूद छात्राओं का प्रदर्शन जारी रहा। छात्राएं अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आईं और मुख्यमंत्री आवास की ओर पैदल चलने लगीं। उनके पीछे पुलिस और शिक्षक भी चलते रहे। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है और छात्राओं को समझाकर शांत कराने का प्रयास किया जा रहा है

रूस-यूक्रेन जंग में लक्ष्मी मित्तल की फैक्ट्री बनी निशाना: प्लांट पर मिसाइलों की बौछार; दो की मौत, उत्पादन ठप

रूस-यूक्रेन युद्ध अब सिर्फ दोनों देशों के मोर्चे तक सीमित नहीं रह गया है। यूक्रेन के बड़े ड्रोन हमलों के जवाब में रूस ने क्रिवी रिह स्थित भारतीय मूल के अरबपति लक्ष्मी मित्तल की आर्सेलरमित्तल स्टील फैक्ट्री समेत कई ठिकानों पर हमला किया। यूरोप में जारी जंग के बीच रूस ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह में भारतीय मूल के अरबपति लक्ष्मी मित्तल की आर्सेलरमित्तल माइनिंग एंड मेटलर्जिकल कॉम्प्लेक्स पर मिसाइल हमला किया। यूक्रेन की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड स्टील यूनिट पर हुए इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 कर्मचारी घायल हुए हैं। मुख्य ऊर्जा और ब्लास्ट-फर्नेस ऑपरेशंस को नुकसान पहुंचने के बाद फैक्ट्री में उत्पादन आंशिक रूप से रोकना पड़ा। यह हमला यूक्रेन की ओर से रूस पर किए गए बड़े पैमाने के ड्रोन हमलों के जवाब में हुआ।

यूक्रेन ने रूस पर सैकड़ों ड्रोन से किया हमला

इससे पहले यूक्रेन ने रूस पर सैकड़ों ड्रोन से हमला किया था। इसे कीव की ओर से युद्ध के सबसे बड़े हवाई हमलों में से एक बताया जा रहा है। इन हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हुई। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रे वोरोब्योव ने इसे "हाल के समय के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक" बताया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने रातभर देश के अलग-अलग हिस्सों में 822 यूक्रेनी ड्रोन को रोका।

मॉस्को में ड्रोन हमले से 83 वर्षीय व्यक्ति की मौत

वोरोब्योव ने बताया कि मॉस्को क्षेत्र में एक निजी घर पर यूक्रेनी ड्रोन के हमले में 83 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि एक अन्य यूक्रेनी हमले के कारण पोडोल्स्क शहर में 'वाइल्डबेरीज' के गोदाम में आग लग गई। वाइल्डबेरीज रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेल कंपनी है और इसका संबंध देश की सबसे अमीर महिला अरबपति तात्याना किम से है।

रोस्तोव में भी ड्रोन हमले, पांच लोगों की मौत

स्थानीय गवर्नर यूरी स्ल्यूसर ने बताया कि एक अन्य ड्रोन हमले में रूस के दक्षिण-पश्चिमी रोस्तोव क्षेत्र के तीन शहरों को निशाना बनाया गया। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। 150 से अधिक ड्रोन से किए गए इस हमले में कई घरों और एक रेलवे स्टेशन को नुकसान पहुंचा, जबकि जंगल में भी आग लग गई।

युद्ध में खुल रहा नया मोर्चा

यूक्रेन ने इस साल रूस के खिलाफ अपने हमले तेज कर दिए हैं। लंबी दूरी की मिसाइलों और ड्रोन के झुंड के जरिए रूसी सैन्य उद्योगों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है। यूक्रेन ने लॉजिस्टिक्स कंपनी 'वाइल्डबेरीज' के डिपो पर भी लगातार हमले किए हैं। इन हमलों में अरबों डॉलर का सामान जलकर खाक हो चुका है। ऐसे हमलों ने मॉस्को द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किए जाने के करीब साढ़े चार साल बाद युद्ध की आंच रूसी जनता के और करीब ला दी है।

मोर्चे पर लड़ाई धीमी, दूर तक पहुंच रहे हमले

मोर्चे पर जमीनी लड़ाई लगभग ठप है और शांति वार्ता भी रुकी हुई है। ऐसे में दोनों युद्धरत देश एक-दूसरे के इलाकों में दूर तक मार करने वाले हमले तेज कर रहे हैं। इसका असर आम नागरिकों पर भी पड़ रहा है। इन हमलों के चलते 2022 में युद्ध के शुरुआती महीनों के बाद से अब तक सबसे ज्यादा नागरिकों की मौतें हुई हैं।

रूस का पलटवार, मित्तल की स्टील फैक्ट्री बनी निशाना

रविवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह में आर्सेलरमित्तल के स्टील प्लांट पर रूसी ड्रोन और मिसाइलों की बौछार हुई। हमले में दो लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक कंपनियों में शामिल आर्सेलरमित्तल क्रिवी रिह ने पुष्टि की कि मिसाइल हमले में उसकी एक साइट को निशाना बनाया गया। कंपनी ने बताया कि हमले के बाद उसके कामकाज को आंशिक रूप से रोकना पड़ा है।

यूक्रेन के कई इलाकों में भी मौतें

रूस के हमलों का असर यूक्रेन के कई अन्य इलाकों में भी देखने को मिला। दक्षिण-पूर्वी जापोरिज्जिया क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई, जबकि सुमी के सीमावर्ती इलाके में एक व्यक्ति और पूर्वी डोनेट्स्क में एक अन्य व्यक्ति की जान चली गई। रूसी हमलों के कारण कीव में कई जगह आग लग गई और छह लोग घायल हो गए। शहर के सबसे बड़े बुक मार्केट में से एक में भी आग लग गई। इसके कारण पोचाइना मेट्रो स्टेशन के पास बने कई कियोस्क जलकर खाक हो गए।

मॉस्को की ओर बढ़ रहे करीब 600 ड्रोन

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने कहा कि रूसी राजधानी की ओर बढ़ते हुए करीब 600 ड्रोन का पता लगाया गया। इनमें से लगभग एक-तिहाई ड्रोन को मॉस्को क्षेत्र के ऊपर ही नष्ट कर दिया गया। ड्रोन हमलों के चलते राजधानी और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को भी हाई अलर्ट पर रखा गया।

Arshdeep Dang: दूसरे विश्व युद्ध के बाद UK में पहले सिख फाइटर पायलट बने अर्शदीप, कैसे हासिल की बड़ी कामयाबी?

Arshdeep Dang: भारतीय मूल के अर्शदीप सिंह डांग ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स में फाइटर पायलट बनने वाले पहले सिख बन गए हैं। छह साल की उम्र में चंडीगढ़ से ब्रिटेन पहुंचे अर्शदीप ने कड़ी ट्रेनिंग के बाद यह मुकाम हासिल किया। आखिर कैसे उन्होंने परिवार के सपने को पूरा कर इतिहास रचा? भारतीय मूल के फ्लाइट लेफ्टिनेंट अर्शदीप सिंह डांग ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) में फाइटर पायलट के रूप में प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) पूरा करने वाले पहले सिख बन गए हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, आरएएफ ने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है, जब किसी सिख ने फाइटर स्क्वाड्रन से पायलट की विंग्स हासिल की हैं। अर्शदीप सिंह डांग (28) ने शुक्रवार 14 अगस्त को उत्तर वेल्स के आरएएफ वैली में फाइटर जेट पायलट ट्रेनिंग पूरी करने के समारोह में हिस्सा लिया। आरएएफ ने बताया कि अर्शदीप सिंह डांग ब्रिटेन की सैन्य पायलट ट्रेनिंग के तहत चौथे उड़ान प्रशिक्षण स्कूल में टेक्सन विमान उड़ाने की ट्रेनिंग पूरी करने वाले पहले सिख हैं। हालांकि, उनसे पहले भी सिख लोग शुरुआती पायलट ट्रेनिंग पूरी कर चुके हैं। डांग का जन्म 1998 में चंडीगढ़ में हुआ था। जब वह छह साल के थे, तब वह अपने परिवार के साथ ब्रिटेन चले गए। उनके पिता जगदीप सिंह डांग लुधियाना के रहने वाले हैं, जबकि उनकी मां गगनदीप कौर अमृतसर की रहने वाली हैं। उनका परिवार इंग्लैंड के साउथॉल में रहता है।

मां का सपना था बेटा पायलट बने

इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए डांग ने बताया कि उनके दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि उनका बेटा पायलट बने। लेकिन जब उनके पिता छह साल के थे, तब दादा की मौत हो गई। उन्होंने कहा, मेरे दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि मेरे पिता पायलट बनें। लेकिन जब मेरे पिता सिर्फ छह साल के थे, तब मेरे दादा की मौत हो गई। इसलिए मेरे पिता के पास अपना सपना पूरा करने के लिए जरूरी मौके और साधन नहीं थे। मेरे माता-पिता ने मुझे प्रोत्साहित किया और मुझे विश्वास होने लगा कि मैं पायलट बन सकता हूं और ऐसा हो गया।

कहां से पढ़ाई की?

डांग ने ब्रिस्टल विश्वविद्यालय से गणित और दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने फरवरी 2022 में अधिकारी की ट्रेनिंग पूरी की और 2023 में शुरुआती उड़ान की ट्रेनिंग पूरी की। साइप्रस में काम करने के बाद उन्हें 2024 में लड़ाकू विमान उड़ाने की ट्रेनिंग के लिए चुना गया। उन्होंने मार्च 2025 में इसकी शुरुआती ट्रेनिंग शुरू की और उसी साल जुलाई में बेसिक फास्ट जेट ट्रेनिंग पूरी की। उन्हें अक्तूबर 2025 में अकेले उड़ान भरने के लिए टेक्सस भेजा गया। इसके बाद उन्होंने जुलाई 2026 में पायलट विंग्स की परीक्षा पास कर ली। अब वह एक और साल तक कड़ी ट्रेनिंग लेंगे।

अर्शदीप सिंह ने क्या कहा?

डांग ने कहा, मेरे लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने समुदाय का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ऐसा करने वाला मैं पहला सिख हूं, लेकिन मैं नहीं चाहता कि मैं आखिरी रहूं। उन्होंने अपनी इस कामयाबी का श्रेय अपने परिवार और सिख परवरिश को भी दिया। उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता ने मुझे प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपनी मां को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया। डांग ने बताया कि उनका परिवार आज भी घर में पंजाबी भाषा में बात करता है और नियमित रूप से गुरुद्वारे जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाबी भावना 'चढ़दी कला' यानी मुश्किल हालात में भी हमेशा उत्साह और हिम्मत बनाए रखना, ने कठिन उड़ानों के दौरान उनकी मदद की। डांग की यह कामयाबी ब्रिटिश सेना में काम करने वाले भारतीय मूल के पायलटों की लंबी परंपरा का हिस्सा है। उनसे पहले प्रथम विश्व युद्ध के पायलट इंद्र लाल राय और सिख पायलट हरदित सिंह मलिक तथा स्क्वाड्रन लीडर मोहिंदर सिंह पुज्जी भी ब्रिटिश सैन्य विमानन में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

वीजा में एआई की मार: भारत की 28 सदस्यीय टीम से 10 बाहर, वरिष्ठ अधिकारी भी नहीं बचे; क्या बदलेगा पूरा सिस्टम?

Visa AI Layoffs: वैश्विक भुगतान कंपनी वीजा ने एआई को अपने कामकाज के केंद्र में रखते हुए दुनियाभर में करीब सात प्रतिशत यानी लगभग 2600 नौकरियों में कटौती का फैसला किया है। भारत में इसका असर खास तौर पर सामने आया है। 28 सदस्यों वाली एक भारतीय टीम से 10 लोगों की नौकरी चली गई, जिनमें वरिष्ठ निदेशक, इंजीनियर और प्रबंधक भी शामिल हैं। आखिर एआई के दौर में क्या बड़े पद भी सुरक्षित नहीं हैं? वैश्विक भुगतान कंपनी वीजा ने अपने वैश्विक कार्यबल में करीब सात प्रतिशत यानी लगभग 2,600 नौकरियों में कटौती की घोषणा की है। यह फैसला कंपनी की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कामकाज को एजेंटिक एआई के आसपास नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। एजेंटिक एआई ऐसी तकनीक है जो इंसान के हर कदम के निर्देश का इंतजार किए बिना कई काम खुद करने में सक्षम होती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में वीजा के पास करीब 34100 कर्मचारी थे। इस हिसाब से करीब हर 14 कर्मचारियों में से एक की नौकरी प्रभावित हुई है।

भारत में छंटनी का असर कितना बड़ा रहा?

भारत में वीजा के बंगलूरू, मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद स्थित तकनीकी और कॉरपोरेट केंद्रों में 3,500 से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। कंपनी ने भारत में छंटनी की सटीक संख्या सार्वजनिक नहीं की है। हालांकि, एक 28 सदस्यीय भारतीय टीम में से 10 लोगों की नौकरी जाने की जानकारी सामने आई है। प्रभावित कर्मचारियों में वरिष्ठ निदेशक, इंजीनियरिंग प्रबंधक और इंजीनियर भी शामिल हैं। इससे संकेत मिलता है कि छंटनी का असर केवल शुरुआती या कनिष्ठ स्तर के कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहा है।

कर्मचारियों को छंटनी के बाद क्या मिला और क्या हुआ?

प्रभावित कर्मचारियों को 15 से 30 दिन के नोटिस पीरियड और सेवरेंस पैकेज की पेशकश की गई। हालांकि, कई कर्मचारियों को सूचना दिए जाने के तुरंत बाद उनके लैपटॉप वापस ले लिए गए और कंपनी के सिस्टम तक उनकी पहुंच बंद कर दी गई।

मुख्य रूप से तकनीकी और उत्पाद टीमों में कटौती की गई है। इस कदम से कर्मचारियों के बीच नौकरी को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मैकइनर्नी ने इसे संकट नहीं बल्कि रणनीति बताया है।

उनके मुताबिक, कंपनी उन क्षेत्रों में संसाधन बढ़ाना चाहती है जहां भविष्य में विकास की ज्यादा संभावना है और एआई इस रणनीति के केंद्र में है।

एआई पर इतना जोर क्यों दे रही है वीजा?

वीजा अपने कामकाज को एजेंटिक एआई के हिसाब से बदल रही है। इसका मतलब है कि कंपनी ऐसे सिस्टम और प्रक्रियाएं विकसित करना चाहती है जिनमें एआई कई काम खुद कर सके। कंपनी का मानना है कि इससे भविष्य में काम करने का तरीका बदल सकता है और संसाधनों को ज्यादा विकास वाले क्षेत्रों में लगाया जा सकता है। लेकिन भारत में वरिष्ठ पदों पर हुई छंटनी ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि एआई का असर केवल सामान्य या दोहराए जाने वाले कामों तक सीमित रहेगा या अनुभवी कर्मचारियों की भूमिकाएं भी बदलेंगी।

बायोकैच सौदे के बीच छंटनी क्यों चर्चा में है?

वीजा ने ऐसे समय में छंटनी की है जब वह इस्राइली एआई कंपनी बायोकैच को 2.4 अरब डॉलर में खरीदने जा रही है। एक तरफ कंपनी एआई क्षमता बढ़ाने के लिए बड़ा अधिग्रहण कर रही है, वहीं दूसरी तरफ अपने कर्मचारियों की संख्या घटा रही है। यही वजह है कि वीजा का फैसला एआई और रोजगार के बीच बदलते रिश्ते को लेकर चर्चा में है। भारत जैसे बड़े तकनीकी कार्यबल वाले देश में वरिष्ठ स्तर पर हुई छंटनी इस सवाल को और गंभीर बनाती है कि आने वाले समय में कंपनियों में इंसानों और एआई के बीच काम का बंटवारा किस तरह होगा। वैश्विक भुगतान कंपनी वीजा ने अपने वैश्विक कार्यबल में करीब सात प्रतिशत यानी लगभग 2,600 नौकरियों में कटौती की घोषणा की है। यह फैसला कंपनी की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कामकाज को एजेंटिक एआई के आसपास नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। एजेंटिक एआई ऐसी तकनीक है जो इंसान के हर कदम के निर्देश का इंतजार किए बिना कई काम खुद करने में सक्षम होती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में वीजा के पास करीब 34100 कर्मचारी थे। इस हिसाब से करीब हर 14 कर्मचारियों में से एक की नौकरी प्रभावित हुई है।

110 वर्ष की बुजुर्ग की लंबी उम्र का राज: ताजी हवा, सेहतमंद खाना और अपना शौक जिंदा रखना; कैसे जीएं अपना जीवन?

लंदन में रहने वाली सुपरसेंटेनेरियन कैथरीन हेजेस बागवानी व खबरें पढ़कर बिताती हैं अपना दिन।

अगर आपको 110 वर्ष के किसी बुजुर्ग से रूबरू कराया जाए तो मन में सबसे पहला सवाल क्या उठेगा? जाहिर है, आखिर इनकी लंबी उम्र का राज क्या है। लोग सुपरसेंटेनेरियन यानी 110 की उम्र तक कैसे पहुंचते हैं, यह तो आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय बना हुआ है। लेकिन कुछ ही समय पहले 110 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले बुजुर्गों के क्लब में शामिल हुई कैथरीन हेजेस ढेर सारी शुद्ध हवा, अच्छे खाने और अपने शौक को जिंदा बनाए रखने को अपनी लंबी उम्र का राज बताती हैं। कैथरीन का जन्म 8 जुलाई 1916 को आयरलैंड के काउंटी लिमरिक में हुआ था। 1944 में 28 वर्ष की उम्र में दुनिया घूमने निकलीं कैथरीन जब इंग्लैंड के बर्कशायर पहुंचीं तो यह जगह इतनी पसंद आई कि उन्होंने यहीं बसने का फैसला कर लिया। यहीं उनकी मुलाकात लेस्ली विलियम हेजेस से हुई, जो फ्रेट ट्रांसपोर्ट मैनेजर थे। फिर दोनों ने शादी कर ली। कैथरीन पेशे से एक क्वालीफाइड बुककीपर थीं और स्थानीय सरकार के कामकाज से जुड़ी रही हैं। डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक, 16 वर्ष पहले उनके पति का निधन हो चुका है और फिलहाल वह हैम्पशायर के एक केयर होम में रहती हैं। यहीं पर पिछले महीने उनका 110वां जन्मदिन मनाया गया। कैथरीन ने अपना जन्मदिन अपने पसंदीदा गमले में लगे पेरूवियन लिली के पौधे के पास बैठकर बिताया। कैथरीन हमेशा सक्रिय रही हैं और उन्हें खुली हवा में रहना बहुत पसंद है। वह बताती हैं कि उन्हें हमेशा घर का अच्छा खाना पसंद रहा है। उन्हें घुड़दौड़ देखने का भी शौक है, जब पति जीवित थे तो दोनों साथ में टीवी पर रेस देखते थे।

कैथरीन आज भी ग्रैंड नेशनल घुड़दौड़ देखती हैं और केयर होम के स्टाफ को बताती हैं कि किस घोड़े के जीतने की संभावना सबसे ज्यादा है।

200 से 300 के करीब लोग ही हैं दुनिया में इस वक्त सुपरसेंटेनेरियन क्लब में

100 वर्ष तक जीने वाले 1000 लोगों में एक व्यक्ति ही 110 वर्ष तक जीता है

जीन का सही संयोजन जरूरी

बोस्टन यूनिवर्सिटी के रिसर्च एक्सपर्ट डॉ. टॉम पर्ल्स के मुताबिक, 110 साल से ज्यादा जीने वाले लोग दुर्लभ होते हैं। शरीर में लगभग 200 ऐसे जीन होते हैं जो उम्र पर असर डालते हैं, और इनका सही संयोजन ही इंसान को सुपरसेंटेनेरियन के पार पहुंचाता है।

73.8 वर्ष होती है लोगों की औसत आयु।

मानसिक सक्रियता जगाती है रुचि

दिनचर्या के बारे में कैथरीन ने कहा कि वह सुबह आराम से समय बिताती हैं और धूप में बैठकर अखबार पढ़ती हैं। इसके बाद स्टाफ की मदद से अपने पौधों की देखभाल करती हैं और फिर कमरे में जाकर टीवी देखते हुए रात का खाना खाती हैं। उनका कहना है, अखबार न केवल दुनिया की खबरों से जोड़े रखता है, बल्कि उनके दिमाग को भी सक्रिय रखता है।

Dynamic Bond Fund: ब्याज दरों के उतार-चढ़ाव में कैसे संभालता है निवेश?

ब्याज दरें बढ़ें या घटें, डेट निवेश को लेकर आम निवेशक अक्सर असमंजस में रहता है। डायनेमिक बॉन्ड फंड इसी बदलाव के बीच अपनी रणनीति बदलकर काम करते हैं। फंड मैनेजर ब्याज दरों के अनुमान के आधार पर लंबी या छोटी अवधि के बॉन्ड में निवेश का फैसला करता है। लेकिन इसमें जोखिम भी है। क्या 2 से 4 साल के निवेश के लिए यह फंड आपके काम का हो सकता है? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...डायनेमिक बॉन्ड फंड को ऐसे समझिए जैसे लंबी यात्रा में जीपीएस रास्ता बदलता है। जब ब्याज दरों का माहौल बदलता है, तो यह फंड भी अपने निवेश की अवधि और रणनीति बदल सकता है। इन फंड्स की कोई तय मैच्योरिटी अवधि नहीं होती। फंड मैनेजर बाजार की स्थिति देखकर अलग-अलग अवधि वाले बॉन्ड में पैसा लगा सकता है। बॉन्ड बाजार का सामान्य नियम है कि ब्याज दरें बढ़ने पर पुराने बॉन्ड की कीमतें घटती हैं और ब्याज दरें गिरने पर पुराने बॉन्ड की कीमतें बढ़ती हैं। इसी बदलाव से फंड मैनेजर कमाई का अवसर तलाशता है।

ब्याज दर घटने या बढ़ने पर फंड क्या करता है?

अगर फंड मैनेजर को लगता है कि ब्याज दरें आगे घट सकती हैं, तो वह लंबी अवधि वाले बॉन्ड में निवेश बढ़ा सकता है। ब्याज दर घटने पर ऐसे बॉन्ड की कीमत बढ़ने का फायदा मिल सकता है। इसके उलट अगर महंगाई या वैश्विक दबाव के कारण ब्याज दरें बढ़ने का खतरा हो, तो पोर्टफोलियो को छोटी अवधि के साधनों या ट्रेजरी बिलों की ओर ले जाया जा सकता है। इस तरह निवेशक को खुद यह तय नहीं करना पड़ता कि मौजूदा माहौल में शॉर्ट-टर्म बॉन्ड बेहतर हैं या लॉन्ग-टर्म। यह फैसला फंड मैनेजर करता है।

डायनेमिक बॉन्ड फंड की सबसे बड़ी ताकत क्या है?

इस फंड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह ब्याज दरों के अलग-अलग दौर में अपनी रणनीति बदल सकता है। पारंपरिक फिक्स्ड-ड्यूरेशन फंड की तुलना में इसमें फंड मैनेजर को अधिक लचीलापन मिलता है। फंड आमतौर पर सरकारी सिक्योरिटीज, अच्छी क्रेडिट रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स के बीच संतुलन बनाकर निवेश करता है। फंड मैनेजर भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति, महंगाई के आंकड़ों और बैंकिंग सिस्टम में नकदी की स्थिति पर नजर रखता है। इसी जानकारी के आधार पर पोर्टफोलियो में बदलाव किए जाते हैं।

1 अप्रैल 2023 के बाद डायनेमिक बॉन्ड फंड पर टैक्स कैसे लगता है?

टैक्स के मामले में 1 अप्रैल, 2023 के बाद खरीदी गई डायनेमिक बॉन्ड फंड की यूनिट्स के लिए नियम बदल गए हैं। दिए गए विवरण के मुताबिक, ऐसी यूनिट्स से होने वाली कमाई निवेशक की कुल आय में जोड़ी जाती है और उस पर निवेशक के लागू आयकर स्लैब के हिसाब से टैक्स लगता है।

Loan Recovery Agents: EMI नहीं भर पाए तो डरिए नहीं, जानिए आपके क्या अधिकार हैं; एजेंट क्या नहीं कर सकते?

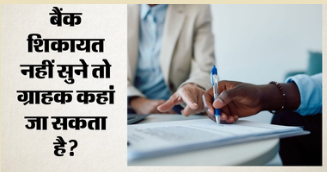

अगर किसी वजह से आपकी ईएमआई नहीं भर पा रही है और रिकवरी एजेंट घर या फोन पर धमका रहा है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। बैंक को अपना बकाया मांगने का अधिकार है, लेकिन ग्राहक को डराने, अपमानित करने या परिवार और परिचितों के सामने कर्ज की जानकारी सार्वजनिक करने की इजाजत नहीं है। ऐसे में ग्राहक के पास कौन-कौन से अधिकार हैं और गलत व्यवहार होने पर क्या कदम उठाना चाहिए? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...

नौकरी छूटने, बीमारी या अचानक आए बड़े खर्च के कारण कई बार व्यक्ति लोन की किस्त नहीं चुका पाता। इसके बाद रिकवरी एजेंट के फोन और घर पर आने से ग्राहक दबाव में आ जाता है। लेकिन ईएमआई चूकने का मतलब यह नहीं है कि कोई व्यक्ति आपके साथ बदसलूकी कर सकता है। कर्ज की वसूली बैंक या वित्तीय संस्था की कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक ने साफ कहा है कि बैंक और उनके रिकवरी एजेंट कर्ज वसूलने के लिए किसी तरह की धमकी या उत्पीड़न नहीं कर सकते।

रिकवरी एजेंट किस समय फोन कर सकता है?

आरबीआई के मौजूदा निर्देशों के अनुसार, बैंकों और उनके रिकवरी एजेंटों को बकाया कर्ज की वसूली के लिए सुबह 8 बजे से पहले और शाम सात बजे के बाद ग्राहक को फोन नहीं करना चाहिए। लगातार फोन करना, धमकी भरी या गुमनाम कॉल करना और झूठी या भ्रामक जानकारी देकर भुगतान के लिए दबाव बनाना भी नियमों के खिलाफ है।

रिकवरी एजेंट आपके घर आए तो आप क्या मांग सकते हैं?

रिकवरी एजेंट के घर आने पर ग्राहक को उसकी पहचान और बैंक की ओर से मिली अधिकृत जानकारी की जांच करनी चाहिए। RBI के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक को कर्ज की वसूली के लिए एजेंसी की जानकारी ग्राहक को देनी चाहिए और एजेंट के पास पहचान पत्र तथा बैंक की ओर से जारी नोटिस और प्राधिकरण पत्र होना चाहिए। बैंक की ओर से नियुक्त एजेंट की गतिविधियों की जिम्मेदारी अंततः बैंक की ही रहती है। इसलिए किसी अनजान व्यक्ति को केवल धमकी के आधार पर पैसा देने के बजाय पहले उसकी पहचान और अधिकार की पुष्टि करना जरूरी है।

NPS: टैक्स बचत ही नहीं, रिटायरमेंट तक तीन बड़े फायदे; कैसे मिलता है ट्रिपल टैक्स का फायदा? आसान भाषा में समझें

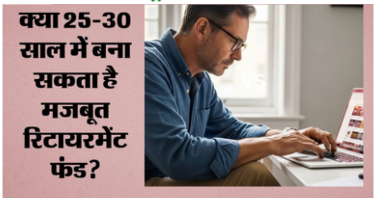

नेशनल पेंशन सिस्टम यानी एनपीएस को अक्सर टैक्स बचाने वाले निवेश के तौर पर देखा जाता है। कई लोगों को लगता है कि अगर तत्काल मिलने वाली टैक्स छूट बहुत बड़ी नहीं है तो एनपीएस में पैसा लगाने का कोई खास फायदा नहीं है। लेकिन रिटायरमेंट के लिए किसी निवेश को केवल इस आधार पर देखना सही नहीं है कि निवेश करते समय कितनी टैक्स छूट मिल रही है। असल सवाल यह है कि अगले 25 या 30 वर्षों में वह निवेश आपके लिए कितनी कुशलता से संपत्ति बनाने में मदद करता है। एनपीएस की खासियत यही है कि इसमें निवेश के अलग-अलग चरणों में टैक्स से जुड़े फायदे मिलते हैं।

एनपीएस में पहला टैक्स लाभ कैसे मिलता है?

एनपीएस में कर्मचारी का योगदान आयकर की धारा 80C के तहत उपलब्ध 1.5 लाख रुपये की कुल सीमा के भीतर कटौती के लिए पात्र है। इसके अलावा 80C की सीमा से ऊपर कर्मचारी के एनपीएस योगदान पर 50 हजार रुपये तक की अतिरिक्त कटौती का लाभ मिलता है। यानी पात्रता के अनुसार एनपीएस के जरिए कर्मचारी अपनी कर योग्य आय को और कम कर सकता है। इसके साथ ही नियोक्ता की ओर से एनपीएस में किया गया योगदान भी तय सीमा तक कटौती के लिए पात्र होता है। पुरानी कर व्यवस्था में बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ते का 10 प्रतिशत, जबकि नई कर व्यवस्था में यही सीमा 14 प्रतिशत बताई गई है।इसका मतलब है कि पात्र कर्मचारियों को अपने वेतन के साथ मिलने वाले नियोक्ता योगदान के जरिए भी रिटायरमेंट के लिए बड़ी रकम बनाने का मौका मिल सकता है।स तरह एनपीएस का पहला टैक्स फायदा केवल कर्मचारी के अपने निवेश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि नियोक्ता के योगदान को भी इसमें शामिल किया जा सकता है।स तरह एनपीएस का पहला टैक्स फायदा केवल कर्मचारी के अपने निवेश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि नियोक्ता के योगदान को भी इसमें शामिल किया जा सकता है।

एनपीएस में दूसरा टैक्स फायदा क्या है?

एनपीएस का दूसरा बड़ा फायदा निवेश के दौरान पोर्टफोलियो को बदलने से जुड़ा है। इक्विटी और डेट में निवेश के अनुपात को समय-समय पर बदलने की प्रक्रिया को पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग कहा जाता है। एनपीएस में नियमों के तहत इस तरह के बदलाव पर कैपिटल गेन्स टैक्स नहीं लगता है। यानी निवेशक अपनी जरूरत और बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट के बीच बदलाव कर सकता है,

सेहत के नाम पर ठगे जा रहे उपभोक्ता: FSSAI ने कैसे बेनकाब की कंपनियों की चालाकी, किस-किस पर गिरी गाज?

एफएसएसएआई की सख्त कार्रवाई के बाद छह बड़ी खाद्य कंपनियों ने अपने भ्रामक दावे, गलत ट्रेडमार्क और विवादित उत्पाद वापस ले लिए हैं। खाद्य नियामक ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पैकेजिंग पर गलत जानकारी देकर उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाली कंपनियों को बख्शा नहीं जाएगा। आने वाले दिनों में पैकेज्ड फूड और ड्रिंक्स की गुणवत्ता जांचने के लिए यह देशव्यापी अभियान और तेज किया जाएगा।भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भ्रामक विज्ञापनों और झूठे दावों पर बड़ा प्रहार किया है। खाद्य सामग्री बेचने वाली छह प्रमुख कंपनियों पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगा था।

एफएसएसएआई ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए इस पूरी कार्रवाई की जानकारी साझा की है। नियामक ने कहा कि नोटिस मिलते ही संबंधित खाद्य कारोबारियों ने तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए हैं। कंपनियों ने न केवल विवादित दावों को हटा लिया है, बल्कि वे अपनी पूरी पैकेजिंग को भी बदल रही हैं। उपभोक्ताओं की सेहत से खिलवाड़ रोकने और खाद्य सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराने के लिए यह देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है।

बाजार में उथल-पुथल: भारत की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केट कैप एक लाख करोड़ रुपए घटा, जानें वजह

शेयर बाजार में जारी बिकवाली के चलते देश की शीर्ष की कंपनियों पर सीधा असर देखने को मिल रहा है। देश की कुछ शीर्ष की कंपनियों के मार्केट कैप में एक लाख करोड़ तक की गिरावट देखने को मिली है।भारत की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप एक लाख करोड़ रुपए घट गया है। इसकी वजह घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली होना था। बीते हफ्ते सेंसेक्स 489.92 अंक या 0.62 प्रतिशत गिरकर 78,009.25 और निफ्टी 204.65 अंक या 0.83 प्रतिशत गिरकर 24,366.00 पर बंद हुआ। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केटकैप इस दौरान 25,891.88 करोड़ रुपए कम होकर 9.86 लाख करोड़ रुपए हो गया है। एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 7,165.37 करोड़ रुपए कम होकर 11.21 लाख करोड़ रुपए था। आईसीआईसीआई बैंक की वैल्यू 2,792.65 करोड़ रुपए कम होकर 10.18 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसके अलावा, शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों के मार्केटकैप में करीब 55,149.45 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है।

टीसीएस को सबसे अधिक नुकसान

शीर्ष 10 में टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। इसका मार्केटकैप 34,263.28 करोड़ रुपए कम होकर 8.53 लाख करोड़ रुपए हो गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केटकैप में भी इस दौरान कमी देखने को मिली है, जो कि 31,869.13 करोड़ रुपए घटकर 17.70 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

एलआईसी सबसे ज्यादा बढ़त वाली कंपनी

लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) सबसे ज्यादा बढ़त वाली कंपनियों में शामिल रही। इसकी मार्केट वैल्यूएशन 26,438.49 करोड़ रुपए बढ़कर 5.23 लाख करोड़ रुपए हो गई। भारती एयरटेल ने भी अच्छी बढ़त दर्ज की। इसकी वैल्यूएशन में 20,592.13 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ और यह 12.43 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई।

Gold Silver Price: सोने की सात सत्रों की तेजी टूटी,

राजधानी दिल्ली में सोने की सात सत्रों की तेजी मुनाफावसूली के कारण टूटी। 10 ग्राम सोने का भाव 2,800 रुपये घटकर 1,57,000 रुपये हुआ। चांदी भी 6,000 रुपये गिरी। अमेरिकी मुद्रास्फीति और पीपीआई आंकड़े बाजार को प्रभावित कर रहे हैं।देश की राजधानी दिल्ली में गुरुवार को सोने की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सात सत्रों की लगातार तेजी के बाद मुनाफावसूली के कारण यह गिरावट आई। 10 ग्राम सोने का भाव 2,800 रुपये घटकर 1,57,000 रुपये हो गया। बुधवार को यह 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार, चांदी की कीमतों पर भी बिकवाली का असर दिखा। चांदी 6,000 रुपये टूटकर 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। पिछले सत्र में सफेद धातु 2,46,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एलकेपी सिक्योरिटीज के रिसर्च विश्लेषक जतिन त्रिवेदी ने बताया कि निवेशकों ने मुनाफावसूली की।

कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण क्या है?

मीराए एसेट शेयरखान के जिंसों प्रमुख प्रवीण सिंह ने बताया कि विदेशी बाजारों में भी स्पॉट गोल्ड गिरा। यह गिरावट मुनाफावसूली के कारण हुई। बहुप्रतीक्षित अमेरिकी जुलाई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति आंकड़े पूर्वानुमान के अनुरूप आया। इसी कारण व्यापारियों ने मुनाफावसूली की। कच्चे तेल की कीमतों में भी स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर परस्पर विरोधी दावों के बीच गिरावट दर्ज की गई। डॉलर सूचकांक स्थिर बना रहा।

अब निवेशकों का ध्यान किस पर है?

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि सीपीआई का असर अब बाजार से पीछे है। निवेशकों का ध्यान अब अमेरिकी उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) पर केंद्रित हो गया है। यह मुद्रास्फीति और फेडरल रिजर्व की नीतिगत राह पर आगे के संकेत देगा। पीपीआई के आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

पीपीआई के आंकड़ों का क्या असर होगा?

गांधी ने बताया कि पीपीआई का कम आंकड़ा फेडरल रिजर्व के लचीले रुख की उम्मीद बढ़ा सकता है। इससे कीमती धातुओं की कीमतों को बढ़ावा मिल सकता है। वहीं, उम्मीद से अधिक परिणाम से जारी मुद्रास्फीति के बारे में चिंताएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है।

The Bonus Market Update: बाजार में गिरावट जारी;

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार, 17 अगस्त को गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। सेंसेक्स 300 से अधिक अंक टूटा, जबकि निफ्टी 24,300 के नीचे आ गया। बजाज फिनसर्व और एचयूएल शीर्ष नुकसान वाले शेयरों में रहे। सोमवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव बाजार पर हावी रहे। निवेशकों की सतर्कता के बीच बाजार में कमजोरी देखी गई।तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 284.85 अंक गिरकर 77,717.05 पर आ गया। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 69.25 अंक फिसलकर 24,297.05 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 10 पैसे गिरकर 95.52 पर आ गया।इसके विपरीत, अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। वैश्विक बाजारों में मिश्रित प्रदर्शन भी भारतीय बाजार पर असर डाल रहा है।

सेंसेक्स में शामिल प्रमुख शेयरों में इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय स्टेट बैंक सबसे बड़े नुकसान में रहे। हालांकि, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और टाइटन के शेयरों में वृद्धि देखी गई। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.43 फीसदी बढ़कर 88.86 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एचएसटी वेल्थ के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरिसिल्वन राधाकृष्णन के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतें मुख्य चिंता का विषय बनी हुई हैं। शुक्रवार को ईरान के खिलाफ अमेरिका की नई चेतावनियों के बाद ब्रेंट क्रूड 88 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है। इससे ऊर्जा बाजारों में भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम मजबूती से बना हुआ है। यह स्थिति बाजार की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

इसमें कुछ गलत नहीं गोविंदा के सपोर्ट में आईं सोमी अली कम उम्र की हीरोइन संग फिल्म करने पर दिया ऐसा रिएक्शन

Somy Ali Praises Govinda: अभिनेता गोविंदा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें वे खुद से काफी उम्र की एक्ट्रेस के साथ काम करते दिखेंगे। इसे लेकर चीची की आलोचना हो रही है। इस बीच सोमी अली उनके सपोर्ट में आई हैं। गोविंदा इन दिनों पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों वजहों से सुर्खियों में हैं। एक तरफ वे फिल्म 'रूपा' के जरिए कमबैक को लेकर चर्चा में हैं। दूसरी तरफ इस फिल्म की एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार के साथ उनके लिंकअप की अफवाहें जोर पकड़ रही हैं। दोनों की उम्र के बीच के अंतर को लेकर भी तरह-तरह की बातें हो रही हैं। इस बीच अभिनेत्री सोमी अली ने अपना रिएक्शन दिया है। गोविंदा और कोमल रानी को बीते दिनों फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में बीते दिनों एयरपोर्ट पर साथ देखा गया। इस पर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने रिएक्शन दिया। उन्होंने रूपा के साथ गोविंदा को देखे जाने के बाद कहा था, 'ये बिना फिल्म के ही प्रमोशन कर रहे हैं। क्या बोला जाए। बेटी की उमर की लड़की को ले लेकर घूम रहा है। शर्म तो आनी चाहिए। कोई स्टैंडर्ड तो होना चाहिए'

Hayden Panettiere Death

अभिनेत्री हेडन पैनेटीयर का निधन 37वें जन्मदिन से पांच दिन पहले दुनिया को कहा अलविदा

Hayden Panettiere Death: मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री हेडन पैनेटीयर नहीं रहीं। 36 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। चर्चित अमेरिकन अभिनेत्री हेडन पैनेटीयर का 36 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। बतौर बाल कलाकार करियर शुरू करने वाली हेडन ने बाद में 'हीरोज' और 'नैशविले' जैसे शो के जरिए लोकप्रियता हासिल की। हेडन पैनेटीयर के निधन की पुष्टि उनके प्रतिनिधि ने की है।

जन्मदिन से पांच दिन पहले हेडन का निधन

हेडन पैनेटीयर के रिप्रेजेंटेटिव ने ABC न्यूज को दिए एक बयान में अभिनेत्री के निधन की पुष्टि की। हालांकि, हेडन के निधन की वजह सामने नहीं आई है। उनकी मौत से जुड़ी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

हेडन का निधन अपने जन्मदिन से महज पांच दिन पहले हुआ है। आगामी 21 अगस्त को वे अपना 37वां जन्मदिन सेलिब्रेट करतीं।

कुनिका सदानंद झारखंड में हो रहे प्रोटेस्ट में पहुंचीं सरकार से की अपील बोलीं- इन बच्चों की बात सुनें

Kunickaa Sadanand Joined JPSC Protest Jharkhand: रविवार को बॉलीवुड अभिनेत्री कुनिका सदानंद झारखंड पहुंचीं। उन्होंने के रांची में जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षों के उम्मीदवारों के विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रदर्शन कर रहे हैं, बच्चों का हाल-चाल लिया और सरकार से जरूरी अपील भी की। अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और उनसे काफी देर तक बातचीत की। अभिनेत्री ने एक ऐसे उम्मीदवार से भी बात की जो इस समय विरोध प्रदर्शन में भूख हड़ताल पर बैठा है। वापस जाते हुए उन्होंने अपने विचार भी इस विरोध प्रदर्शन को लेकर रखे। एएनआई से बातचीत करते हुए कुनिका सदानंद ने कहा, 'सरकार के लिए मेरा संदेश है कि कृपया पारदर्शी और जवाबदेह बनें। इन बच्चों की बात सुनें। वह एक मौका मांग रहे हैं, जो उनका अधिकार है। छात्रों के लिए मेरा संदेश है कि वह 20 साल से चल रही समस्या को रातों-रात हल नहीं कर सकते है। उन्हें सरकार को समय देना चाहिए और उनसे लिखित में पक्का वादा लेना चाहिए। तभी इसका समाधान होगा।' 8 अगस्त को अभिनेता, गायक पियूष मिश्रा भी झारखंड पहुंचे थे। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैं किसी और वजह से समर्थन देने नहीं आया। मैंने कुछ छात्रों के इंटरव्यू देखे थे। मैंने उनकी आखों में दर्द और तकलीफ देखी और उनके आंसू देखे। मेरे लिए इतना ही काफी था।' एक छात्र प्रदर्शनकारी प्रेम नायक, जो 13 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं, ने कहा, 'आज विरोध प्रदर्शन का 23वां दिन और भूख हड़ताल का 13वां दिन है। सरकार बिल्कुल भी गंभीर नहीं है।

दीमक की तरह दिमाग को खा जाएंगे पीएम मोदी के बाद कंगना ने 'दिमागी नक्सल' लोगों पर कसा तंज

Kangana Ranaut Takes Dig at Dimagi Naxals: 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि सशस्त्र नक्सलवाद खत्म हो रहा है लेकिन दिमागी नक्सल सोच रखने वाले लोग अशांति फैलाते हैं। पीएम के इस बयान को लेकर कंगना ने भी ऐसे लोगों पर तंज कसा है। सासंद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर रविवार रात देर एक पोस्ट साझा की। इसमें वह दिमागी नक्सल प्रवृति के लोगों पर निशाना साध रही हैं। आम नागरिकों को सचेत कर रही हैं। जानिए, कंगना ने अपनी पोस्ट में क्या-क्या लिखा है। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में कंगना रनौत लिखती हैं, 'अपने आस-पास देखिए, जो लोग लगातार भारत के दुश्मनों को तो इंसान जैसा दिखाते है और देश बनाने या सीमाओं की रक्षा करने वालों को बुरा-भला कहते हैं। वह खुद को फेमिनिस्ट और मॉडर्न बताते हैं, लेकिन बुर्के का बचाव करते हैं और आतंकवादियों को 'मिलिटेंट' कहते हैं।' कंगना आगे लिखती हैं, 'वह इस बात पर जोर देते हैं कि हर किसी को अपनी मर्जी से जीने की आजादी होनी चाहिए, भले ही इसके लिए संस्कृति, सभ्यता या बुनियादी तहजीब से समझौता करना पड़े। जब तक कि वह कोई अपराध न करें। लेकिन जाहिर है, जब आप इंसानों की जानवरों जैसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देते हैं और उन्हें बिना किसी रोक-टोक के छोड़ देते हैं, तो सीमाएं लांघी ही जाती हैं। और फिर यही लोग उन अपराधियों के जीने के अधिकार के लिए याचिकाएं दायर करते हैं, ये लोग 'दिमागी नक्सली' हैं।' कंगना दिमागी नक्सली प्रवृति के लोगों को लेकर एक और बात अपनी पोस्ट में कही।

Kangana Ranaut: कंगना ने दिल्ली की सीएम के साथ मनाई तीज क्वीन के गाने पर लगाए ठुमके साझा की तस्वीरें

Kangana Ranaut Celebrated Teej With Delhi CM Rekha Gupta: कंगना रनौत ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के घर पर तीज का त्योहार मनाया। इस उत्सव की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए भावुक संदेश भी लिखा। कंगना रनौत ने बुधवार देर रात इंस्टाग्राम पर तीज उत्सव मनाते हुए कई तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के घर पर तीज का त्योहार मनाया। इस मौके पर वह हरे रंग की साड़ी पहने नजर आईं। रेखा गुप्ता के साथ भी उन्होंने तीज मनाते हुए कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इंस्टाग्राम पर तीज मनाते हुए तस्वीरें पोस्ट करने के साथ ही कंगना ने एक कैप्शन भी लिखा। वह इसमें लिखती हैं, 'मेरी पहली तीज का त्योहार। रेखा दीदी के घर पर। उन्होंने सच में एक बड़ी बहन का प्यार और दुलार दिया। बिल्कुल घर जैसा अपनापन मुझे मिला।' आगे कंगना ने कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह हाथों में मेहंदी लगाती दिखाई दीं। उनके ईद-गिर्द कई और महिलाएं भी बैठी थीं। आगे तस्वीरों में वह अपनी फिल्म 'क्वीन' के गाने 'लंदन ठुमका दा' पर डांस करती दिखीं। उनके साथ तीज का त्योहार मनाने आईं महिलाओं ने भी डांस किया। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने भी कंगना के साथ डांस किया। कंगना रनौत बतौर सांसद अपनी नई भूमिकाओं को निभा रही हैं। साथ ही वह एक्टिंग की दुनिया में भी सक्रिय हैं।

काम करने की कमी महसूस नहीं होती

बैन लगाने वालों का आतिफ असलम ने किया धन्यवाद

Atif Aslam: पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम की आवाज के भारत में भी लाखों फैंस हैं। हालांकि, साल 2016 के बाद से वह भारत में काम नहीं कर पाए हैं। अब सिंगर ने इस मामले पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। 2016 उरी आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच पाकिस्तानी कलाकारों के भारत में काम करने पर रोक लग गई थी। इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (IMPPA) ने भी अपने सदस्यों से पाकिस्तानी कलाकारों और तकनीशियनों को नए प्रोजेक्ट्स में काम न देने का प्रस्ताव पास किया था। इस बैन का असर आतिफ असलम समेत कई पाकिस्तानी कलाकारों पर पड़ा। अब आतिफ ने एक यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान भारत में अपने करीब एक दशक लंबे ब्रेक के बारे में खुलकर बात की। भारत में अपनी गैरमौजूदगी के बारे में बात करते हुए आतिफ असलम ने कहा कि उन्हें भारत में बैन हुए करीब 10 साल हो चुके हैं। उन्होंने कहा, 'यह भारत सरकार का फैसला था। उन्होंने पाकिस्तान के कलाकारों पर बैन लगाने का फैसला किया। अब पाकिस्तान में भी भारतीय कलाकारों पर बैन है। पिछले 10 साल से मैंने वहां कोई गाना नहीं किया है।' आतिफ असलम ने अपने भारतीय फैंस के लिए भी खास मैसेज दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात से दुखी होने की जरूरत नहीं है। सिंगर ने कहा, 'मैं हमेशा आपको बताना चाहता था कि मुझे आप लोगों की याद आती है। मुझे वहां काम करने की कमी महसूस नहीं होती, लेकिन मुझे आप लोगों की याद

आवारापन 2' में किसिंग सीन ना होने पर नाराज हुए फैंस यूजर्स बोले- ये हमारा इमरान हाशमी नहीं है

Awarapan 2 Fans Upset Over No Kissing Scene: तीन दिन पहले इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' रिलीज हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्श कर रही है लेकिन फैंस इस बात से निराश हैं कि इमरान हाशमी पर कोई किसिंग सीन नहीं फिल्माया गया है। इस बात को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। इमरान हाशमी की फिल्म ने तीन दिन में बॉक्स ऑफिस पर अब तक 77.61 करोड़ रुपये की कुल कमाई कर ली है। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहा जा रहा है। लेकिन फैंस फिल्म में किसिंग सीन ना पाकर काफी निराशा हैं। सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर अपनी नाराजगी भी मजेदार ढंग से फैंस साझा कर रहे हैं।

क्या है 'आवारापन 2' की कहानी?

नितिन कक्कड़ निर्देशित फिल्म 'आवारापन 2' की कहानी की बात की जाए तो इसमें शिवम (इमरान) को दिवंगत प्रेमिका की कब्र पर एक लावारिस बच्ची मिलती है। वह उसका नाम आलिया रखता है। शिवम उसे अनाथालय में छोड़ देता है। जब वह बैंकॉक में इंसानों की तस्करी करने वाले गिरोह के चंगुल में फंस जाती है, तो शिवम जोरावर और नफीसा जैसे अंडरवर्ल्ड के लोगों से लड़ने के लिए थाईलैंड जाता है। यह फिल्म 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल है। एक यूजर ने एक्स (ट्विटर) पोस्ट में लिखा, 'ना ये हमारा इमरान हाशमी नहीं है, दो घंटे की मूवी में एक भी किसिंग सीन नहीं है।'

एक अन्य फैन ने ट्विट करते हुए लिखा, 'मैंने सच में अपनी मां से कहा था कि हमें कुछ और देखना चाहिए क्योंकि इस फिल्म में इमरान हाशमी थे। लेकिन पता चला कि इसमें एक भी नॉर्मल किस सीन नहीं था और कहानी बहुत अच्छी थी।' एक अन्य यूजर ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'इमरान हाशमी को एक रोमांटिक मूवी में कास्ट किया लेकिन कोई किसिंग सीन नहीं था? नॉस्टैल्जिया के लिए एक किसिंग सीन कर सकते हो भाई।'

Aaj Ka Rashifal 17 August

सिंह और कन्या राशि वालों को मिलेगा सफलता का साथ, पढ़ें दैनिक राशिफल

17 अगस्त 2026 का दिन मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के लिए कई नए अवसर और बदलाव लेकर आ सकता है। नौकरी, कारोबार, धन, प्रेम और स्वास्थ्य के मामले में दिन कैसा रहेगा, जानें आज का राशिफल।

Daily Horoscope 17 August 2026: 17 अगस्त 2026 का दिन मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि समेत सभी राशियों के जातकों के लिए कई तरह के बदलाव और नए अवसर लेकर आ सकता है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर आपके करियर, कारोबार, आर्थिक स्थिति, प्रेम संबंध और पारिवारिक जीवन पर देखने को मिल सकता है। कुछ लोगों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है, तो वहीं कुछ जातकों को महत्वपूर्ण फैसले लेते समय सावधानी बरतने की जरूरत होगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन नई जिम्मेदारियां लेकर आ सकता है

मेष

आज का दिन आपकी समझदारी और संयम की परीक्षा ले सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखें और किसी भी बड़े फैसले से पहले अच्छी तरह विचार कर लें। सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है, इसलिए छोटी परेशानी को भी गंभीरता से लें। परिवार में कोई मुद्दा उठे तो बहस के बजाय शांति से समाधान निकालने की कोशिश करें। जीवनसाथी की कोई परेशानी दूर होती नजर आ रही है। वहीं, अगर किसी से उधार लिया हुआ पैसा है तो उसकी वापसी का दबाव अचानक आ सकता है। आज बड़े जोखिम लेने से बचना ही आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृषभ

आज किस्मत आपका साथ देती नजर आएगी। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलने की अच्छी संभावना है। निवेश से लाभ मिल सकता है और कारोबार में भी तेजी आएगी। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन रिश्तों में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। खासकर जीवनसाथी और माता जी से बातचीत करते समय शब्दों का ध्यान रखें। छोटी सी बात गलतफहमी का रूप ले सकती है। प्यार और सम्मान से बात करेंगे तो दिन और भी बेहतर रहेगा।

मिथुन

आज आपकी बुद्धिमानी और सही निर्णय लेने की क्षमता आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और लंबे समय से अटका पैसा भी वापस मिल सकता है। आपके कुछ फैसले आसपास के लोगों को चौंका सकते हैं, लेकिन उनका असर सकारात्मक रहेगा। घूमने-फिरने की योजना बन सकती है और धार्मिक या पुण्य कार्यों में मन लगेगा। हालांकि, किसी भी काम में जल्दबाजी न करें। एक गलत कदम बनता हुआ काम बिगाड़ सकता है।

कर्क

आज अधूरे कामों को पूरा करने पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि इन्हें टालना आगे चलकर परेशानी बढ़ा सकता है। वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी रखें और जल्दबाजी से बचें। वैवाहिक जीवन में थोड़ी दूरी या मनमुटाव महसूस हो सकता है, इसलिए जीवनसाथी से खुलकर बातचीत करते रहें। घर में किसी शुभ आयोजन की तैयारियां शुरू हो सकती हैं, जिसके कारण आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार के साथ मिलकर काम करेंगे तो दिन आसानी से निकल जाएगा।

सिंह

आज आपकी पहचान और प्रभाव में बढ़ोतरी होगी। आपकी मीठी वाणी लोगों को प्रभावित करेगी और कार्यस्थल पर सहयोगियों का पूरा समर्थन मिलेगा। आगे बढ़ने के कई मौके मिल सकते हैं, लेकिन किसी दूसरे की सफलता देखकर मन में ईर्ष्या न आने दें। अपनी ऊर्जा अपने लक्ष्य पर लगाना ही आपके लिए बेहतर रहेगा। यात्रा के दौरान सामान की सुरक्षा का ध्यान रखें। आज ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूरी बनाए रखेंगे तो महत्वपूर्ण काम समय पर पूरे कर पाएंगे।

कन्या

आज का दिन भागदौड़ और व्यस्तता से भरा रहेगा। काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है, जिससे थकान भी महसूस होगी। परिवार से जुड़ी किसी बात को लेकर चिंता रह सकती है। पैतृक संपत्ति के मामलों में विशेष सावधानी बरतें और बिना जांच-पड़ताल कोई कदम न उठाएं। कार्यक्षेत्र में जो जिम्मेदारी मिले, उसे पूरी ईमानदारी और गंभीरता से निभाएं। वरिष्ठों की नाराजगी मोल लेना आज आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है।

तुला

आज आपके घर-परिवार में खुशियों का माहौल बन सकता है। परिवार में किसी नए सदस्य के आने की खबर मिल सकती है या शादी-विवाह की तैयारियों से घर में रौनक बढ़ेगी। हालांकि, अपनी निजी बातें हर किसी के साथ साझा करने से बचें, क्योंकि कोई व्यक्ति आपकी जानकारी का गलत फायदा उठा सकता है। दूसरों की सलाह सुनें जरूर, लेकिन अंतिम फैसला अपनी समझ से ही लें। भावनाओं में आकर लिया गया निर्णय बाद में परेशानी दे सकता है।

वृश्चिक

आज खुशी और व्यस्तता दोनों साथ-साथ चलेंगी। काम का दबाव आपको थोड़ा परेशान कर सकता है, लेकिन छोटे-छोटे आर्थिक लाभ मन को संतुष्ट रखेंगे। पड़ोस में किसी बात को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए उसमें बेवजह शामिल होने से बचें। करियर के मामले में लापरवाही बिल्कुल न करें। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर अतिरिक्त मेहनत करनी होगी। आज अनुशासन और धैर्य बनाए रखेंगे तो दिन आपके पक्ष में रहेगा।

धनु

आज आपके सामने कई नए अवसर आ सकते हैं। आय बढ़ाने के नए रास्ते खुलेंगे और आर्थिक स्थिति बेहतर होने के संकेत हैं। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है, जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी और मन खुश रहेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। हालांकि, जरूरत से ज्यादा उधार लेने से बचें, क्योंकि भविष्य में उसे चुकाने में परेशानी हो सकती है। अपनी क्षमता के अनुसार ही आर्थिक निर्णय लें।

मकर

आज आपको थोड़ा संभलकर कदम बढ़ाने की जरूरत है। जल्दबाजी में लिया गया फैसला आर्थिक या व्यक्तिगत नुकसान करा सकता है, इसलिए महत्वपूर्ण मामलों में पूरी जानकारी लेने के बाद ही निर्णय करें। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात मन को खुशी देगी। दांपत्य जीवन में प्यार और मधुरता बनी रहेगी। लोन या आर्थिक सहायता मिलने की संभावना है, लेकिन इसके साथ अपनी आय, खर्च और भविष्य की जरूरतों का सही हिसाब रखना जरूरी होगा।

कुंभ

आज कारोबार में लाभ मिलने के संकेत हैं, हालांकि बीच-बीच में तकनीकी समस्याएं या छोटी अड़चनें परेशान कर सकती हैं। अपने अनुभव और व्यावहारिक समझ का इस्तेमाल करेंगे तो स्थिति जल्दी संभल जाएगी। ससुराल पक्ष से किसी के घर आने की संभावना है। उनके साथ अच्छा समय बीतेगा, लेकिन अपनी निजी बातें साझा करने से बचें। छोटी यात्रा का योग बन रहा है। जीवनसाथी के साथ किसी भी विषय में पारदर्शिता रखें, इससे रिश्ते में भरोसा मजबूत होगा।

मीन

आज आपकी मेहनत ही आपकी सबसे बड़ी पहचान बनेगी। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है और परिवार के साथ बिताया समय आपको भावनात्मक खुशी देगा। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पल बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे रिश्ते में नजदीकियां बढ़ेंगी। आर्थिक जरूरत पड़ने पर किसी भरोसेमंद व्यक्ति से मदद मिल सकती है। किसी महत्वपूर्ण समस्या का समाधान तलाश रहे हैं तो अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेगा।

Aaj Ka Love Rashifal

सिंह और कुंभ राशि वालों के प्रेम जीवन में आएगी खुशियां, पढ़ें दैनिक लव राशिफल

Daily Love Horoscope: 17 अगस्त 2026 का दिन प्रेम और रिश्तों के लिहाज से खास रह सकता है। किसी के रिश्ते में प्यार और नजदीकी बढ़ेगी, तो कुछ जातकों को पार्टनर से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। जानें मेष से मीन तक सभी राशियों का आज का लव राशिफल।

17 August Love Horoscope: 17 अगस्त 2026 का दिन प्रेम और रिश्तों के मामले में कई राशियों के लिए नए अनुभव और बदलाव लेकर आ सकता है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर आपकी लव लाइफ, पार्टनर के साथ संबंध और भावनात्मक जुड़ाव पर देखने को मिल सकता है। कुछ जातकों के रिश्ते में प्यार और नजदीकी बढ़ेगी, जबकि कुछ लोगों को आपसी मतभेद दूर करने का अवसर मिलेगा। वहीं, जो लोग लंबे समय से सिंगल हैं, उनकी जिंदगी में किसी खास व्यक्ति की एंट्री हो सकती है। शादीशुदा लोगों के लिए भी दिन रिश्ते में मधुरता और समझ बढ़ाने वाला रह सकता है। ऐसे में जानिए मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए 17 अगस्त 2026 का आज का लव राशिफल, और किस राशि की लव लाइफ में आएगा प्यार का नया रंग।

Guru Nakshatra Gochar

गुरु का अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश, इन 4 राशि वालों को मिलेगी नौकरी-कारोबार में तरक्की

Jupiter Transit: 19 अगस्त 2026 को गुरु बुध के अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यह बदलाव 4 राशि वालों के लिए विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान इन राशियों के जातकों को नौकरी, कारोबार, शिक्षा और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

Guru Nakshatra Parivartan 2026: वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति यानी गुरु को ज्ञान, शिक्षा, धन, करियर और समृद्धि का कारक ग्रह माना जाता है। गुरु की चाल और नक्षत्र परिवर्तन का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग देखने को मिलता है। 19 अगस्त 2026 को गुरु बुध के अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यह बदलाव 4 राशि वालों के लिए विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान इन राशियों के जातकों को नौकरी, कारोबार, शिक्षा और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलने के साथ आय के साधनों में भी वृद्धि के योग बन सकते हैं। आइए जानते हैं किन राशियों के लिए गुरु का यह नक्षत्र परिवर्तन लाभकारी रहेगा।

Guru Nakshatra Gochar

गुरु का अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश, इन 4 राशि वालों को मिलेगी नौकरी-कारोबार में तरक्की

Jupiter Transit: 19 अगस्त 2026 को गुरु बुध के अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यह बदलाव 4 राशि वालों के लिए विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान इन राशियों के जातकों को नौकरी, कारोबार, शिक्षा और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

Guru Nakshatra Parivartan 2026: वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति यानी गुरु को ज्ञान, शिक्षा, धन, करियर और समृद्धि का कारक ग्रह माना जाता है। गुरु की चाल और नक्षत्र परिवर्तन का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग देखने को मिलता है। 19 अगस्त 2026 को गुरु बुध के अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यह बदलाव 4 राशि वालों के लिए विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान इन राशियों के जातकों को नौकरी, कारोबार, शिक्षा और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलने के साथ आय के साधनों में भी वृद्धि के योग बन सकते हैं। आइए जानते हैं किन राशियों के लिए गुरु का यह नक्षत्र परिवर्तन लाभकारी रहेगा।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के लिए गुरु का अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश आर्थिक रूप से लाभकारी रह सकता है।
लंबे समय से रुके हुए काम गति पकड़ेंगे और आमदनी में बढ़ोतरी के अवसर मिल सकते हैं।
किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौते या बड़ी डील को अंतिम रूप दिया जा सकता है।
धन-संपत्ति से जुड़े मामलों में भी सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।
धार्मिक यात्रा का अवसर बन सकता है, जिससे मानसिक शांति भी मिलेगी।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए गुरु का नक्षत्र परिवर्तन कई परेशानियों को कम करने वाला साबित हो सकता है।
मानसिक तनाव में कमी आएगी और जीवन में सुख-सुविधाओं का विस्तार हो सकता है।
कोई नया कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल रह सकता है।
नौकरी या निजी जीवन से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

IND vs SL Live Score

53 पर श्रीलंका को तीसरा झटका मानव सुथार ने चांदीमल के बाद उदारा को भेजा पवेलियन

India vs Sri Lanka 1st Test Day-3 Live Updates: नमस्कार! अमर उजाला के लाइव ब्लॉग में आपका स्वागत है। भारत और श्रीलंका के बीच गॉल में जारी टेस्ट का आज तीसरा दिन है। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। पिछले दो दिन बारिश ने काफी खेल बर्बाद किया है। आज भी स्थानीय मौसम विभाग ने भारी बारिश की संभावना जताई है। भारत ने अपनी पहली पारी में 462 रन बनाए।

IND vs SL Live: श्रीलंका को तीसरा झटका

श्रीलंका को 53 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। पारी के 14वें ओवर में मानव सुथार ने लाहिरू उदारा को यशस्वी के हाथों कैच कराया। वह 44 गेंद में 27 रन बना सके। फिलहाल कामिंदु मेंडिस और कप्तान धनंजय डिसिल्वा क्रीज पर हैं। भारत ने धीरे धीरे मैच पर पकड़ बनाना शुरू कर दिया है। दो दिन बारिश से प्रभावित रहने के बावजूद भारतीय गेंदबाज टीम को मैच में पकड़ बनाने में मदद कर रहे हैं। फॉलोऑन बचाने के लिए श्रीलंका को 263 रन बनाने हैं। ये मानव का दूसरा विकेट रहा। इससे पहले उन्होंने दिनेश चांदीमल को आउट किया था।

IND vs SL Live: श्रीलंका को दूसरा झटका

श्रीलंका को पारी के आठवें ओवर में 27 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने पहली बार गेंदबाजी में बदलाव किया और स्पिनर मानव सुथार को लेकर आए। सुथार ने अपनी पहली ही गेंद पर अनुभवी दिनेश चांदीमल को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। चांदीमल चार रन ही बना सके। फिलहाल लाहिरू उदारा और कामिंदु मेंडिस क्रीज पर हैं। श्रीलंकाई पारी की शुरुआत हुई तो लाहिरू उदारा और निशान फर्नांडो बल्लेबाजी के लिए आए। हालांकि, पहले ही ओवर की दूसरी गेंद पर मोहम्मद सिराज ने श्रीलंका को झटका दिया। सिराज ने निशान को पडिक्कल के हाथों कैच कराया। वह खाता भी नहीं खोल सके। फिलहाल दिनेश चांदीमल और उदारा क्रीज पर हैं। तीसरे दिन पहले ही ओवर में असिथा फर्नांडो ने प्रसिद्ध कृष्णा को आउट कर दिया। इस तरह से भारत की पहली पारी 462 रन पर समाप्त हुई। प्रसिद्ध दो रन बना सके।

गॉल टेस्ट पर बारिश का साया

भारत की WTC फाइनल की उम्मीदों पर भी मंडराया खतरा? 462 बनाने के बाद भी ड्रॉ का डर

भारत और श्रीलंका के बीच गॉल टेस्ट में बारिश लगातार खेल का मजा किरकिरा कर रही है। भारत ने 462 रन बनाकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली है, लेकिन दो दिनों में काफी समय बारिश की भेंट चढ़ चुका है। अब मौसम के पूर्वानुमान ने भारत की जीत और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की उम्मीदों को चिंता में डाल दिया है। गॉल में भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने बल्ले से अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है, लेकिन अब बारिश भारत की सबसे बड़ी चिंता बन गई है। भारत ने अपनी पहली पारी में 462 रन बनाए, मगर मैच में अब तक जितना समय बारिश के कारण खराब हुआ है, उसे देखते हुए मुकाबले का नतीजा निकलना मुश्किल होता जा रहा है। भारत ने तीसरे दिन नौ विकेट पर 460 रन से आगे खेलना शुरू किया और दो रन बनाने में आखिरी विकेट गंवा दिया। इससे पहले दो दिन बारिश के कारण खेल प्रभावित हुआ था। दूसरे दिन स्थिति और खराब रही और खेल दोपहर 2:35 बजे शुरू हो सका। दिन में केवल 43 ओवर का खेल संभव हुआ। भारत ने अपने पहले दिन के 288/2 के स्कोर में 172 रन जोड़े, लेकिन इस दौरान उसके सात विकेट भी गिर गए।

पडिक्कल का शानदार शतक, 167 रन पर थमी पारी

भारत की पहली पारी की सबसे बड़ी कहानी देवदत्त पडिक्कल की 167 रन की शानदार पारी रही। उन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में धैर्य के साथ बल्लेबाजी की और भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा केएल राहुल ने 82 रन बनाए, जबकि ध्रुव जुरेल ने 51 रन की उपयोगी पारी खेली। निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भी योगदान दिया, जिससे भारत 450 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा। श्रीलंका के स्पिनरों ने दूसरे दिन वापसी की कोशिश जरूर की। प्रभात जयसूर्या ने चार विकेट लिए, जबकि डेब्यू कर रहे केशारा नुवांथा ने तीन विकेट अपने नाम किए। नुवांथा ने नई गेंद के साथ ऋषभ पंत और केएल राहुल को लगातार झटके देकर भारत की रफ्तार पर ब्रेक लगाने की कोशिश की। इसके बावजूद भारत ने दूसरे दिन का अंत 460/9 के मजबूत स्कोर के साथ किया। पिच के समय के साथ और टूटने की संभावना है। ऐसे में भारतीय स्पिनरों को श्रीलंकाई बल्लेबाजों के खिलाफ फायदा मिल सकता है।

ODI World Cup 2027

वनडे विश्वकप को लेकर हरभजन की कोच गंभीर को खास सलाह

4-5 महीने पहले ही ऐसा कर लेने को कहा

वनडे विश्व कप 2027 में अब करीब एक साल का वक्त है, लेकिन टीम इंडिया को लेकर मंथन अभी से तेज है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कोच गौतम गंभीर को खास सलाह देते हुए टीम को विश्व कप से चार-पांच महीने पहले तक तय करने की बात कही है। सवाल है कि गंभीर कब तक प्रयोग जारी रखेंगे? वनडे विश्वकप 2027 को आने में अभी लगभग एक साल का वक्त बचा है। हालांकि, सभी टीमें इसकी तैयारियों में जुट गई हैं। कुछ टीमें लगातार प्रयोग कर रही हैं, वहीं कुछ टीमों की नजर अपने कोर खिलाड़ियों को लगातार मौका देने पर है। इसी कड़ी में भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर को खास सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि गंभीर को अभी जितने प्रयोग करने हैं कर लें, लेकिन विश्वकप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले टीम तय करना होगा और उन्हें पता होना चाहिए कि कौन से 15 खिलाड़ी विश्वकप खेलने जा रहे हैं।

भज्जी ने गंभीर को क्या दी सलाह?

न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में हरभजन ने कहा, 'भारतीय टीम में कई विकल्प हैं और उनमें से किसी एक को चुनना बेहद मुश्किल है। लेकिन गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग टीम को कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्हें उन वेन्यू और कंडीशन का पता करना होगा, जिनमें भारत 2027 वनडे विश्वकप खेलने जा रहा है। गंभीर को फिर उसी के मुताबिक टीम बनानी होगी। एक साल का समय पर्याप्त समय है। मेरा मानना है कि विश्व कप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले तक टीम तय हो जानी चाहिए। उन्हें कई चीजों को ध्यान में रखना होगा और अभी से प्रयोग करने होंगे, ताकि उन खिलाड़ियों की पहचान की जा सके जो टूर्नामेंट के दौरान भारत के लिए अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह निभा सकें।'

टीम में कई विकल्प होना अच्छा सिरदर्द'

हरभजन ने कहा, 'भारत के पास कई विकल्प हैं। जब आपके पास कई विकल्प होते हैं तो यह एक अच्छा सिरदर्द है।

हरभजन ने समझाया कोहली और धोनी की कप्तानी में अंतर

गंभीर पर कहा- वह दिल के अच्छे लोगों को सच पसंद नहीं

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी के बीच अंतर बताते हुए कहा कि कोहली ने टीम की सोच बदल दी। उन्होंने फिटनेस और फील्डिंग में कोहली के योगदान को भी अहम बताया। वहीं, गौतम गंभीर का बचाव करते हुए हरभजन ने कहा कि वह दिल के अच्छे हैं और सच बोलते हैं। भारतीय क्रिकेट में विराट कोहली और एमएस धोनी की कप्तानी के अंदाज में क्या फर्क था और मौजूदा कोच गौतम गंभीर को लेकर लोगों की राय क्यों अलग है? पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने दोनों मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कोहली की कप्तानी की सबसे बड़ी खासियत बताते हुए गंभीर का भी बचाव किया और कहा कि वह दिल के अच्छे इंसान हैं, लेकिन लोगों को उनका सच बोलना पसंद नहीं आता। हरभजन ने 2010-11 के ऑस्ट्रेलिया दौरे का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय कोहली ने रन बनाने के साथ-साथ टीम की सोच पर भी असर डालना शुरू कर दिया था। उनके मुताबिक, धोनी की कप्तानी में जहां कई बार मुश्किल लक्ष्य को हासिल करना लगभग असंभव माना जाता था, वहीं कोहली का रवैया था कि लक्ष्य कितना भी बड़ा हो, उसे हासिल करने की कोशिश जरूर की जानी चाहिए। हरभजन ने कहा, 'विराट ने जो सबसे सरल बदलाव किया, वह मानसिकता का था। टेस्ट के पांचवें दिन कई बार ऐसी स्थिति आती थी जब हमें लगता था

AFG vs IRE ODI: दो शतक 231 रन की साझेदारी और बना ऐतिहासिक स्कोर आयरिश गेंदबाजों पर हावी हुए अफगानी बल्लेबाज

सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 343/9 का स्कोर बनाया। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि अटल-जादरान ने दूसरे विकेट के लिए 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ चौथे वनडे मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 343 रन बनाए। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 339 रन था, जो उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था।

अटल-जादरान ने संभाली पारीटॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल ने पारी को संभालते हुए आयरिश गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों में 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की ओर से दूसरे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है

आखिरी ओवरों में लड़खड़ाई अफगानिस्तान की टीम

अटल और जादरान के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी थोड़ी धीमी पड़ गई। दरविश रसूली ने 14 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई 12 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रहमत शाह सिर्फ 2 रन बना सके। राशिद खान ने 10 गेंदों में 11 रन बनाए, जबकि हशमतुल्लाह शाहिदी 7 रन बनाकर नाबाद रहे। गजनफर खाता नहीं खोल सके। अफगानिस्तान ने आखिरी दो ओवरों में तीन विकेट गंवाए, जिसके कारण टीम 350 रन का आंकड़ा पार करने से चूक गई। आयरलैंड की ओर से बायरन मैकडोनो ने तीन विकेट लिए, जबकि मार्क रिचर्ड एडायर और गेविन होए को दो-दो सफलता मिली। 339 रन का रिकॉर्ड टूटा

अफगानिस्तान के 343 रन के साथ ही टीम ने अपना पिछला वनडे रिकॉर्ड तोड़ दिया। उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाए 339/6 के स्कोर को पीछे छोड़ते हुए वनडे क्रिकेट में अपना नया सर्वोच्च स्कोर बनाया। अटल और जादरान की शतकीय पारियों ने इस ऐतिहासिक स्कोर की नींव रखी। इब्राहिम जादरान ने शानदार लय में बल्लेबाजी करते हुए 118 गेंदों में 107 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं, सेदिकुल्लाह अटल ने इससे भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 120 गेंदों में 143 रन ठोक दिए। उन्होंने अपनी पारी में 17 चौके और चार छक्के लगाए। अटल और जादरान की यह साझेदारी 50 ओवर के प्रारूप में अफगानिस्तान की किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इसके अलावा, यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में केवल चौथा मौका जब एक ही मैच में टीम के दो बल्लेबाजों ने शतक लगाए हैं।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से
छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के
पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़
होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300